प्रेरणास्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

हरियाणा वाटिका

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित

सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 133 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 गुरूवार, 13 मार्च 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

हरियाणाः दस में से नौ निगमों में खिला कमल

पांच परिषद व आठ नगर पालिकाओं में भी भाजपा जीती

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा शहरी निकाय चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदेश के दस में से नौ नगर निगमों में भाजपा ने जीत का परचम लहराया है।

मानेसर नगर निगम में निर्दलीय उम्मीदवार डॉ इंदरजीत यादव ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल पाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़े गए शहरी निकाय चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों ने कांग्रेस उम्मीदवारों को हराकर नगर निगमों और नगर परिषदों में कमल का फूल खिलाया है। पिछले साल 12 मार्च को ही नायब सैनी ने प्रदेश में बतौर मुख्यमंत्री कमान संभाली थी। राज्य के किसी भी शहरी निकाय में कांग्रेस जीत के करीब तक भी नहीं पहुंच पाई। पांचों नगर परिषदों पर भी भाजपा का कब्जा रहा।

23 नगर पालिकाओं में आठ उम्मीदवार भाजपा के जीते, जबकि 15 निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। राज्य के फरीदाबाद में प्रवीण बत्रा जोशी तीन लाख 16 हजार 852 मतों से चुनाव जीती हैं, जो कि सबसे बड़ी जीत का अंतर है। पहले यह रिकार्ड गाजियाबाद की भाजपा की मेयर सुनीता दयाल के नाम था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रभाव वाले रोहतक नगर निगम में भाजपा के राम अवतार चुनाव जीते हैं। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा यहां अपनी पार्टी के सूरजमल किलोई को चुनाव नहीं जितवा सके।

जनता के आशीर्वाद से हमारी सरकार की नीतियों को बल मिलाः नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद विधानसभा में कहा कि लोकसभा और विधानसभा के बाद शहरी निकाय चुनाव में हरियाणा की जनता ने ट्रिपल इंजन वाली सरकार के नेतृत्व पर अपनी मुहर लगाई है।

मैं हरियाणा की जनता का दिल से धन्यवाद करता हूं। चुनाव आयोग और सभी अधिकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए धन्यवाद देता हूं।

नगर निगमः विजेता उम्मीदवार - पराजित उम्मीदवार - जीत का अंतर

अंबालाः सैलजा सचदेवा - अमीषा चावला - 020487
फरीदाबादः प्रवीन जोशी - लता रानी - 316852
गुरुग्रामः राज रानी - सीमा पाहुजा - 179485
मानेसरः इंद्रजीत यादव - सुंदर लाल सरपंच - 002293
यमुनानगरः सुमन बहमनी - किरणा देवी - 063266
सोनीपतः राजीव जैन - कमल दीवान - 034749
रोहतकः राव अवतार - सूरजमल किलोई- 045198
हिसारः प्रवीण पोपली- कृष्ण टीटू सिंगला- 064456
करनालः रेणु बाला गुप्ता - मनोज वधवा - 025359
पानीपतः कोमल सैनी - सविता संजय गर्ग - 123170

प्रदेश में बनी ट्रिपल इंजन सरकारः डॉ अरविंद शर्मा

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शहरी निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनहितैषी नीतियों व जनता-जनार्दन के लगातार बढ़ रहे भरोसे को दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कर्मठ कार्यकताओं द्वारा चुनाव क्षेत्र में जन-जन तक पार्टी नीतियों व संकल्प पत्र के माध्यम से बनाए माहौल से आज प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनी है।

आज यहां निकाय चुनाव परिणाम पर जारी प्रतिक्रिया में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि लोकसभा, विधानसभा चुनाव के बाद लगातार तीसरे चुनाव में प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में निगम, परिषद, पालिका चुनाव के परिणाम यह दर्शा रहे हैं कि जनता का भरोसा केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों पर निरन्तर मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की अगुवाई में निकाय चुनाव में 10 में से 9 नगर निगमों में भाजपा के मेयर बनना व अधिकांश भाजपा पार्षद प्रत्याशियों का बड़े अंतर से जीत ने विरोधियों के हौंसले पस्त कर दिए हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में दिल्ली की तरह कांग्रेस जीरो पर सिमट गई है। इससे स्पष्ट हो रहा कि जनता ने उनकी भ्रष्टाचार व घोटालों की नीतियों को करारा जवाब दे दिया है। ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने से उनके इलाके को मिलने वाले लाभ के बारे में जागरूक किए जाने से प्रदेश के हर कोने में भाजपा को बड़े अंतर से जीत मिली है।

निकाय चुनाव में बीजेपी की आंधी में फिर उड़ी कांग्रेस

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा निकाय चुनाव 2025 का परिणाम बीजेपी के पक्ष में रहा है। बीजेपी ने सोनीपत-अंबाला समेत 10 नगर निगमों में से 9 निगमों पर बंपर जीत दर्ज की है। विधानसभा चुनाव के बाद अब निकाय चुनाव में बीजेपी की यह दूसरी बड़ी जीत है। बीजेपी ने सोनीपत-अंबाला के साथ-साथ फरीदाबाद, गुरुग्राम, हिसार, करनाल, पानीपत, रोहतक और यमुनानगर नगर निगमों पर अपना कब्जा जमा लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के गढ़ में रोहतक में बड़ी जीत के साथ कांग्रेस विधायक और पूर्व रेसलर विनेश फोगाट के जुलाना नगर पालिका में भी बीजेपी ने जीत दर्ज की है। भाजपा की जीत से वर्कर से लेकर सीएम

नायब सिंह सैनी खुश हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में जीत का जश्न मनाया। बीजेपी की जीत पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश की जनता ने स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में "ट्रिपल इंजन सरकार" पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने जनता को धन्यवाद दिया। सीएम सैनी ने कहा कि अब ट्रिपल इंजन सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी। हरियाणा के स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस एक भी नगर निगम पर जीत हासिल नहीं कर पाई। विधानसभा चुनाव की तरह निकाय चुनाव में भी कांग्रेस के हाथ मायूसी लगी है।

मोदी और नायब सरकार की नीतियों पर जनता ने फिर लगाई मुहरः धनखड़

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

शहरी स्थानीय चुनावों में भाजपा को बंपर विजयश्री मिली है। सभी निगमों ,परिषदों और पालिकाओं में कमल खिला है या फिर भाजपा के सहयोगी और समर्थक जीतकर आए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने सभी को जीत की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भाजपा की रीति - नीति की जीत है, मोदी जी और नायब सैनी जी के कुशल नेतृत्व की जीत है, यह भाजपा के

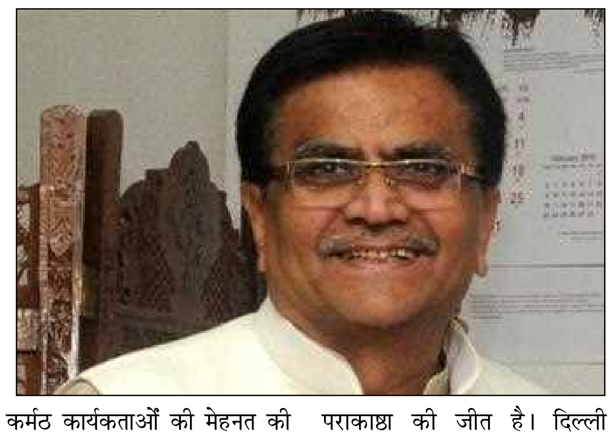

कर्मठ कार्यकताओं की मेहनत की पराकाष्ठा की जीत है। दिल्ली विधानसभा में कांग्रेस की जीरो थी अब हरियाणा वालों ने भी निकाय चुनाव में कांग्रेस को जीरो कर दिया है। राष्ट्रीय सचिव श्री धनखड़ ने कहा कि हमारे मेयर,चेयरमैन और पार्षद बड़े बहुमत से जीते हैं, फरीदाबाद में भाजपा की नव निर्वाचित मेयर प्रवीण जोशी की जीत तीन लाख से अधिक मतों से हुई हैं।फरीदाबाद में दादरी की बेटी प्रवीण जोशी ने जीत के अंतर का नया रिकॅार्ड स्थापित किया है। इस तरह की बंपर जीत से भाजपा कार्यकताओं का मनोबल सातवें आसमान पर है। निश्चित रूप से भाजपा की बड़ी जीत से विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक परिवार को आगे बढ़ाने के प्रयास में पतन की ओर तेजी से अग्रसर हो रही है। हरियाणा में कांग्रेस के पास न नेता है और न ही नीति है। कांग्रेस में केवल पिता पुत्र की जोड़ी बची थी , जो रोहतक को अपना गढ़ होने का दावा करती थी, वो गढ़ भी जनता ने ढहा दिया है। श्री धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस उमीदवार रोहतक और बेरी से भी चुनाव हार गए।

नई जनगणना के बाद हरियाणा में बनेंगे नए उपमंडल

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा में नई जनगणना का कार्य पूरा होने तक नए जिलों, उपमंडलों का गठन नहीं होगा। गृह मंत्रालय द्वारा इस संबंध में रोक लगाई गई है। देश में कोरोना के कारण अटकी 2021 की जनगणना एक जुलाई से शुरू होगी। माना जा रहा है कि हरियाणा की आबादी अब तीन करोड़ के करीब पहुंच गई है। बुधवार को विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस के दो विधायकों गीता भुक्कल व रघुबीर सिंह तेवतिया ने मातनहेल व पृथला को उपमंडल (सब-डिवीजन) बनाने की मांग की। आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि जनगणना के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में की घोषणा

"अगर कहीं भी किसी भी गांव की शामलात देह भूमि वक्फ बोर्ड के नाम की गई है तो इसकी पूरी जांच करवाई जाएगी"

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सदन में घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में अगर कहीं भी किसी भी गांव की शामलात देह भूमि वक्फ बोर्ड के नाम की गई है तो इसकी पूरी जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि रोहतक -

गोहाना मार्ग पर स्थित पीर बोधी मामले में जाँच के लिए रोहतक मंडलायुक्त के तत्वावधान में एक कमेटी का गठन किया जायेगा। करनाल मंडलायुक्त और जिला उपायुक्त रोहतक इस कमेटी के सदस्य होंगे। यह कमेटी पीर बोधी मुदद‌े से संबंधित सारे तथ्य और रिकॉर्ड की गहनता से जांच करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सदन में सदस्य द्वारा उठाये गया पीर बोधी मुद्दे को सरकार ने गंभीरता से लिए और अब तक की जाँच में जो तथ्य सामने आये हैं इसमें खुलासा हुआ कि 1967-68 में यह भूमि शामलात देह भूमि थी।

हरियाणा में पिछले दस साल में नफरती भाषण पर 297 एफआईआर

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा में पिछले दस साल के दौरान नफरती भाषण के 297 मामले दर्ज किए गए हैं। कांग्रेस विधायक आफताब अहमद के विधानसभा में बजट सत्र के दौरान बुधवार को यह मुद्दा उठाया गया। इस पर राज्य सरकार ने पिछले दस वर्षों की रिपोर्ट जारी की है। विधायक आफताब अहमद से सरकार से पूछा कि दस वर्षों के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषण दिए जाने पर कितने मामले दर्ज किए गए हैं। सरकार ने कितनी सोशल मीडिया साइटों को बैन किया गया है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री नायब सैनी की तरफ से

सदन में इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार दस वर्षों के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषणों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से हेट स्पीच को बढ़ावा देने पर प्रदेश में 297 एफआईआर दर्ज की गई हैं। जिस पर कार्रवाई करते हुए 472 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। सरकार ने विभिन्न माध्यमों से जांच के आधार पर 502 सोशल मीडिया हैंडलों को इंटरनेट से हटाया है। इस अवधि के दौरान प्रदेश के नूंह जिले में सबसे अधिक 46 मामले दर्ज किए गए।

हरियाणा पुलिस ने पकड़े तीन लाख 43 हजार फर्जी बैंक खाते

चंडीगढ़। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से हरियाणा पुलिस ने तीन लाख 43 हजार फर्जी बैंक खातों की पहचान की है। हरियाणा पुलिस द्वारा इसका डेटा संबंधित बैंकों को जांच व कानूनी कार्रवाई के लिए भेजा गया है। पुलिस ने सभी खाताधारकों से अपील की है कि वे अपने बैंक खाता संबंधी निजी जानकारी किसी के साथ सांझा न करें।

सीएम ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अयोध्या यात्रा बस को झंडी दिखाई

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत अयोध्या के लिए बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने बस को रवाना करने से पहले बस में सवार तीर्थ यात्रियों से बात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने तीर्थ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना भी उसी का एक हिस्सा है, जिसमें प्रदेश सरकार 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा करवा रही है। इस योजना में वे परिवार शामिल हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए तक या इससे कम है। इस यात्रा में अंबाला व पंचकूला के लगभग 46 यात्री शामिल हैं। सभी यात्री अयोध्या जी दर्शन करेंगे उसके उपरांत हनुमान गढ़ी और सरयू नदी में स्नान करेंगे।

योजना के तहत अब तक 800 से अधिक यात्रियों को तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाए गए हैं। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया तथा प्रेस सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित थे।

जनता ने फिर भाजपा के संकल्पों पर सहमति जताईः डा. पूनिया

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि निकाय चुनाव में जनता ने एक बार फिर भाजपा के विचार और नीतियों तथा नॉन स्टॉप हरियाणा के संकल्प पर सहमति जताई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया लिखा कि भाजपा की सरकार गांवों और शहरों के संतुलित विकास के लिए समर्पित है। उन्होंने हरियाणा निकाय चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए हरियाणा की जनशक्ति का हृदय से अभिनंदन और बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने प्रदेश की जनता को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली के सत्ता और संगठन के बेहतर तालमेल तथा कार्यकताओं के परिश्रम को हरियाणा की जनता ने भरपूर आशीर्वाद और स्नेह दिया है। जनता ने प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा पर भरोसा जताया है।

डा. पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और विकास की राजनीति की यह एक और बड़ी जीत है। इस ऐतिहासिक जीत से निश्चित तौर पर हमारे कार्यकताओं को और अधिक

ऊर्जा के साथ जनसेवा का मौका मिला है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

चुनाव में लगातार मिल रही जीत ने तय कर दिया है कि जनता विकास चाहती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनता के विश्वास पर खरा उतर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद नगर निकाय चुनाव में मिली जीत से स्पष्ट हो गया है कि हरियाणा की जनता ने विकास के नाम पर मुहर लगाई है।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा सरकार संकल्प के साथ देश और प्रदेश के विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विकास के मूलमंत्र पर चलते हुए सबके साथ मिलकर बेहतर से बेहतर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि जनता ने निकाय चुनाव में कमल खिलाकर इतिहास रचा है।

मंत्री-विधायक विवाद में विधानसभा में हंगामा, कांग्रेस ने किया वॉकआउट

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और सफीदों से भाजपा विधायक रामकुमार गौतम के बीच मंगलवार को विधानसभा में हुए विवाद को लेकर बुधवार को भी सदन गरमा गया। कांग्रेस ने भाजपा के दोनों विधायकों के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव लाने की बात की। जिसे स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने खारिज करते हुए सत्तापक्ष व विपक्ष को मयार्दाओं में रहने की नसीहत दी। बाद में कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को लेकर सदन से वॉकआउट भी किया। आज जब यह पूरा विवाद चल रहा था, तो अरविंद शर्मा सदन में नहीं थे और उन पर आरोप लगाने वाले सफीदों विधायक रामकुमार गौतम सीट पर ही बैठे रहे। प्रश्नकाल के तुरंत बाद पूर्व स्पीकर व थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने सदन में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के एक विधायक ने कैबिनेट मंत्री पर 10 लाख रुपये के आरोप लगाए हैं। यह गंभीर मामला है, इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। स्पीकर ने कहा कि लिखित में शिकायत आएगी तो सरकार संज्ञान लेगी। अरोड़ा ने कहा कि सरकार के मंत्री पर सदन के भीतर आरोप लगे हैं।

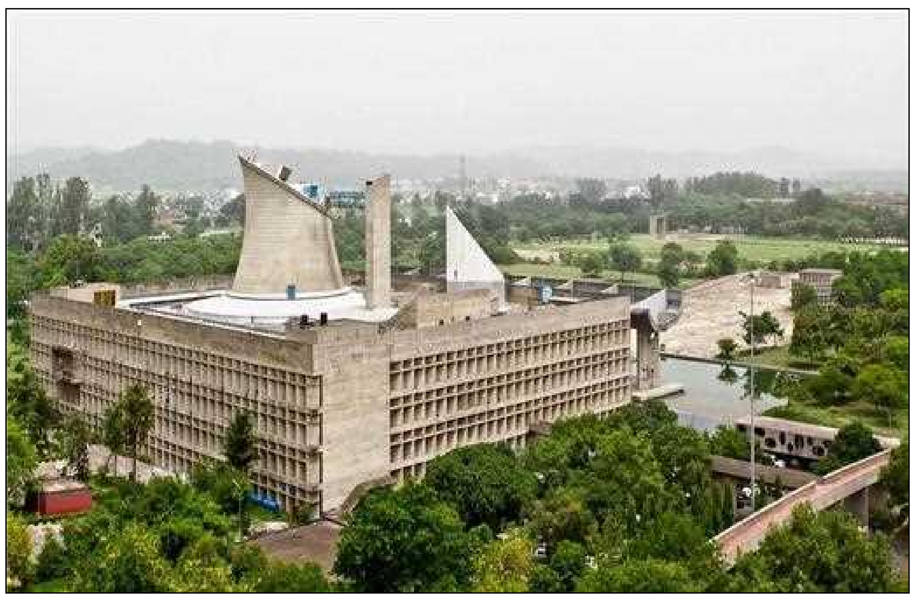

विधानसभा की कमेटी बनाकर इस मामले की जांच होनी चाहिए। संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा ने मंगलवार को हुई घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि अशोभनीय व्यवहार सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जो हुआ, वह दुखदायी था। उस समय ऐसा माहौल बन गया था और भावनाओं में आकर ऐसी बातें सामने आईं।

पूर्व स्पीकर व बेरी विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादियान ने फिर से मुद्दे को उछालते हुए कहा कि सदन में आरोप लगना बहुत गंभीर मामला है। इस पर स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि दोनों की ओर से इस्तेमाल किए गए मर्यादित शब्दों को कार्रवाई से हटाया जा चुका है।

जब महिपाल ढांडा ने कांग्रेस पर राई का पहाड़ बनाने यानी मुद्दे को फिर से बड़ा करने के आरोप लगाए तो कांग्रेस विधायक इस पर भड़क उठे। डॉ. कादियान ने पूरे घटनाक्रम पर स्पीकर से रूलिंग देने का आग्रह किया। इस पर हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि किसी को भी नियमों व मयार्दाओं को लांघने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा, जिस तरह से वरिष्ठ सदस्यों का आचरण है, उसका नये सदस्यों पर क्या असर पड़ेगा, इस बारे में भी सोचना चाहिए। किसी को भी एक-दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत कटाक्ष नहीं करने दिया जाएगा। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पूरे मामले में नाराजगी जताते हुए स्पीकर से आग्रह किया कि डॉ. रघुबीर सिंह कादियान के निंदा प्रस्ताव को स्वीकार करना चाहिए। प्रस्ताव को मंजूर नहीं होने के विरोध में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट भी किया।

बेटियों को अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी हिम्मत के साथ बढ़ना होगा आगे : नेहा सिंह

400 मीटर में आरजू, 300 मीटर में मोनिका, 100 मीटर में नीरज और साइकिल रेस में शीतल ने मारी बाजी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि बेटियों को अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी हिम्मत के साथ आगे बढ?ा चाहिए। इस मार्ग में आने वाली हर समस्या और दिक्कत का मुकाबला करके अपने लक्ष्य को हासिल करना होगा। इसके लिए बेटियों को मेहनत, लगन और पूरी इमानदारी के साथ कार्य करना होगा। उपायुक्त नेहा सिंह बुधवार को द्रोणाचार्य स्टेडियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से आयोजित खेल कूद प्रतियोगिता में बोल रही थी। इससे पहले उपायुक्त नेहा सिंह और महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने खिलाडि?ों से परिचय किया और सैल्फी प्वाइंट पर बेटियों के साथ फोटो करवाई। इस दौरान उपायुक्त नेहा सिंह ने जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता के डिस्कस थ्रो इवेंट में प्रथम आने वाली सुखविन्द्र कौर, द्वितीय बलविन्द्र कौर थानेसर, अनिता पिहोवा को तीसरे स्थान पर आने पर सम्मानित किया।
उपायुक्त ने 400 मीटर रेस की विजेता आरजू थानेसर प्रथम,

रजप्रीत कौर शाहबाद द्वितीय, मन्नु बाबैन तृतीय, 300 मीटर रेस में मोनिका लाडवा प्रथम, मनीषा थानेसर द्वितीय, मुस्कान शाहबाद तृतीय, 100 मीटर दौड़ में नीरज थानेसर प्रथम, मीनाक्षी बाबैन द्वितीय, रिम्पी लाडवा तृतीय, साइकिल रेस में शीतल थानेसर प्रथम, आरुषि पिहोवा द्वितीय, राधिका तृतीय स्थान आने पर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उपायुक्त ने विजेता महिला खिलाडि?ों को बधाई देते हुए कहा कि बेटियों को हर कार्य को पूरी रूचि के साथ करना चाहिए और जीवन में लक्ष्य जरूर निर्धारित करना चाहिए। आज किसी भी क्षेत्र में बेटियां बेटो से कम नहीं है, इसलिए बेटियों को पूरी हिम्मत के साथ आगे बढ?ा चाहिए।
महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी बलजीत कौर ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रथम स्थान पर आने वाली खिलाड़ी को 4100 रुपए, द्वितीय को 3100 रुपए और तृतीय को 2100 रुपए की ईनाम राशि दी गई है। इस जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का अहम योगदान रहा है। कार्यक्रम में सीडब्लयूसी कृष्ण कुमार पांचाल ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अंजू, मन्नु, केन्द्र प्रबंधिका व सभी सुपरवाइजर मौजूद थे।

आमजन की समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभा रहे समाधान शिविर : एसडीएम सुरेश कुमार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 12 मार्च। उपमंडलाधीश सुरेश कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार उपमंडल स्तर पर प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के निदान में अहम भूमिका निभा रहे हैं। शिविर में एक ही छत के नीचे सभी अधिकारी मौजूद रहते हैं और लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनकी समस्याओ का समाधान करते हैं। लघु सचिवालय स्थित सभागार में आमजन की परिवार पहचान पत्र, पेंशन, आधार कार्ड, जमीन, राशन कार्ड, बिजली, पानी, प्रॉपर्टी आईडी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाए आदि समस्याओं की सुनवाई की जाती है। समाधान शिविर में कुल 4 शिकायतों वन विभाग से मुवावजा दिलवाने, मकान का कब्जा छुड़वाने, बुढ़ापा पेंशन व प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित के समाधान के लिए अधिकारीयों को निर्देश दिए गए।
एसडीएम सुरेश कुमार ने अधिकारियों को कहा कि उपमंडल स्तर पर कोई भी शिकायत पेंडिंग न रहे। जो शिकायत निवारण करने योग्य हो उसका तुरंत प्रभाव से निवारण करवाएं।
इस अवसर पर शिविर में सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकल रहित करवाने के लिए पूरी सतर्कता बरतें : एसडीएम सुरेश कुमार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 12 मार्च। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की परीक्षाओं को सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को एसडीएम सुरेश कुमार ने गांव रत्ताखेड़ा में परीक्षा केंद्र का दौरा किया। उन्होंने परीक्षा स्टाफ से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए। एसडीएम सुरेश कुमार ने कहा कि परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकल रहित माहौल में संपन्न करवाने के लिए पूरी सतर्कता बरतें। उन्होंने परीक्षा स्थल पर मौजूद शिक्षा विभाग के अधिकारियों से परीक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

जिला में तीन स्थानों से बाइक चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। अलग-अलग स्थानों से चोर तीन बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत गांव मौजदीन निवासी सतपाल सिंह ने बताया कि उसका भाई इकबाल सिंह हरियाणा रोडवेज में परिचालक है। उसने बताया कि इकबाल सिंह ने अपना बाइक मल्लेकां बस स्टेंड पर खड़ा किया था। शाम को ड्यूटी से आने के बाद बाइक संभाली तो गायब मिली। अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। दूसरे मामले में गांव झोरडाली निवासी राजिंद्र कुमार ने बताया कि उसने बीती 11 मार्च की दोपहर को अपना बाइक एयरफोर्स स्टेशन के सामने कार बाजार के पास खड़ी की थी। कुछ समय बाद संभाला तो बाइक गायब मिली। तीसरे मामले में हुडा सेक्टर-20 निवासी दलबीर सिंह ने बताया कि उसका हिसार रोड पर सिरसा ट्रेवल के नाम से कार्यालय है। बीती 10 मार्च की सुबह उसने अपना बाइक कार्यालय के बाहर खड़ी की। कुछ समय बाद संभाली तो बाइक गायब मिली। अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

युवक 8.16 ग्राम हैरोइन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान लॉर्ड शिवा कॉलेज क्षेत्र से एक युवक को 8 ग्राम 16 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है।
एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा प्रभारी उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार ने बताया कि सेल सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान चतरगढ़ पट्टी बाईपास होते हुए जेजे कॉलोनी की ओर जा रहे थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी से जब लॉर्ड शिवा कॉलेज के समीप पहुंची तो सामने से एक युवक आता हुआ दिखाई दिया। उक्त युवक सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक घबरा गया और वापस मुडकर तेज कदमों से चलकर भागने का प्रयास करने लगा तो शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त युवक को काबू क र राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली तो उसके कब्जा से 8 ग्राम 16 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान खेती सिंह पुत्र सरदूल सिंह निवासी वार्ड नंबर 26 रानियां चुंगी सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कुरुक्षेत्र में हाई कोर्ट जस्टिस अर्चना पुरी ने किया निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। हाई कोर्ट जस्टिस अर्चना पुरी ने कुरुक्षेत्र न्यायालय का दौरा किया। उन्होंने वकीलों की समस्याएं सुनी और आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं को नियमों अनुसार दूर किया जाएगा। जिला बार एसोसिएशन के बार रूम में जस्टिस अर्चना पुरी, डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज आराधना, सीजीएम कुरुक्षेत्र मोहिनी पहुंचे जहां वकीलों ने उनका स्वागत किया। प्रधान धर्मेंद्र अत्री ने अर्चना पूरी को वकीलों की समस्याओं से अवगत कराया। मुख्य तौर पर दो समस्याएं चैंबर्स की कमी व पार्किंग की सुविधा न होना। अर्चना पुरी ने जल्द ही नियम अनुसार समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। मंच संचालन सचिव संजीव धवन ने किया। वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व प्रधान सुभाष शर्मा ने बार को एड्रेस किया व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा वरिष्ठ अधिवक्ता आत्म प्रकाश मनचंदा ने भी संबोधित किया। इस मौके पर सीनियर एडवोकेट संजय वालिया, अमर राज सिंह, राजेंद्र प्रसाद चौहान, पूर्व प्रधान राजेंद्र जुनेजा, मनोज कौशिक, सौरभ दत्त शर्मा, पूर्व सचिव विक्रम शर्मा, मनोज, धर्मेंद्र, बलविंदर कमौदा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

लेने आजा खाटू वाले रिंग्स के उस मोड पर......

श्री श्याम फागुन होली महोत्सव में झूमें श्रद्धालु,खूब जमकर बरसा श्याम रंग

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 12 मार्च। श्री श्याम युवा मित्र मंडल द्वारा श्री लखदातार श्याम परिवार सोसाइटी व श्री बांके बिहारी महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में "श्री श्याम फागुन महोत्सव" के उपलक्ष्य में भव्य संकीर्तन का आयोजन अनाज मंडी स्थित शिव मंदिर प्रांगण में किया गया। संकीर्तन का आरंभ श्री लखदातार श्याम परिवार के सदस्य आशु गर्ग ने परिवार सहित ज्योति प्रचंड करके किया। बाबा श्याम का फ्रूट से किया गया अलौकिक श्रृंगार देखने योग्य

था। उसके बाद रतिया की भजन गायिका उर्मिला सोनी ने 'लेने आजा खाटू वाले रिंग्स के उस मोड़ पे' 'कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है..', ' खाटू के बाबा श्याम जी मेरी रखोगे लाज..', 'जलती रहे खाटू वाले तेरी ज्योत..', 'भर दे रे श्याम झोली भर दे...' आदि भजनों के माध्यम से शहर में खाटू धाम जैसा माहौल बना दिया।
उपस्थित श्याम प्रेमियों ने फूलो की होली खेल कर, एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर व नाच गा कर श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव की बधाइयां दी। मंडल की ओर से मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया गया। रात्रि 10.00 बजे आरती व प्रसाद वितरण के साथ बड़े हर्षोल्लास भरे माहौल में संकीर्तन का समापन हुआ। अंत में आयोजको द्वारा सभी सहयोगियों व श्याम प्रेमियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर श्री श्याम युवा मित्र मंडल,लखदातार श्याम परिवार व श्री बांके बिहारी महिला मंडल के सभी सदस्यों सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

निकाय चुनाव: सिरसा में बनी ट्रिपल इंजन की सरकार

पहले चेयरमैन के गौरव का रूप, वीर शांतिस्वरूप। कांग्रेस प्रत्याशी जसविंद्र कौर को 12379 वोटों से दी शिकस्त। भाजपा के 20, कांग्रेस के 8 ने मारा मैदान। 4 निर्दलीय प्रत्याशी भी हुए विजयी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार का सपना साकार करते हुए नगर परिषद में भाजपा ने बाजी मार ली है। भाजपा के वीर शांति स्वरूप ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की जसविंद्र कौर को 12379 वोटों से हराकर नगर परिषद का पहला चेयरमैन बनने का गौरव हासिल कर लिया है। वीर शांतिस्वरूप को कुल वोटों में से 41061 वोट प्राप्त हुए जबकि जसविंद्र कौर ने 28682 वोट हासिल मिले। अहम बात है कि निर्दलीय प्रत्याशी राजेंद्र कुमार ने 12705 वोट प्राप्त कर सभी को अचंभित कर दिया। इसके अलावा इनेलो चेयरमैन प्रत्याशी ओमप्रकाश को 3037,जजपा के प्रवीण कुमार को 1676, आप उम्मीदवार कविता नागर को 1462, आजाद उम्मीदवार अशोक कुमार को 801 व नोटा को 816 मत प्राप्त हुए। बीती 2 मार्च को हुए निकाय चुनाव में सिरसा शहर में कुल 1,60,036 वोटर्स में से 90 हजार 240 वोटर्स ने वोट डाले गए थे। नवनिर्वाचित चेयरमैन वीर शांतिस्वरूप ने चुनाव अधिकारी राजेंद्र कुमार से अपना प्रमाण पत्र हासिल कर लिया।

मीडियाकर्मी लेट इंफारेमेशन मिलने से हुए नाराजः
शहर में नगर परिषद के चुनावों के लिए मतगणना सुबह 8 बजे शुरू हुई। सिरसा में चेयरमैन के लिए सात और 32 वार्डों के लिए 122 प्रत्याशी मैदान में हैं। चेयरमैन पद के लिए 11 राउंड में सभी 143 बूथ की काउंटिंग चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपपर्ज हाल में हुई। काउंटिंग के दौरान मीडिया कर्मियों को एक कमरे में बिठाया गया। लेट इंफारेमेशन मिलने से मीडिया कर्मी कुछ देर के लिए नाराज हो गए और उन्होंने काउंटिंग का बहिष्कार कर दिया। मीडियाकर्मियों का आरोप था कि मीडिया सेंटर में सेवाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

सभी वार्डों के परिणाम घोषितः
वार्ड नं 1 से कांग्रेस की आरती देवी, वार्ड नं 2 से कांग्रेस की चंचल देवी, वार्ड नं 3 से आजाद प्रत्याशी रमेश मेहता, वार्ड नं 4 से बीजेपी के सनप्रीत सिंह सोढी
वार्ड नं 5 से बीजेपी के जसपाल सिंह, वार्ड नं 6 से कांग्रेस के गोपी राम सैनी
वार्ड नं 7 से बीजेपी की सुमन देवी, वार्ड नं 8 से कांग्रेस संगीता रानी, वार्ड नं 9 से कांग्रेस की अनीता रानी, वार्ड नं 10 से आजाद संजय कुमार, वार्ड नं 11 से बीजेपी के राजन शर्मा, वार्ड नं 12 से बीजेपी के दीपक बंसल, वार्ड नं 13 से बीजेपी के मनीष कुमार, वार्ड नं 14 से बीजेपी के अंग्रेज बठला, वार्ड नं 15 से बीजेपी के हेमकांत शर्मा, वार्ड नं 16 से कांग्रेस समर्थित रणधीर कुमार, वार्ड नं 17 से बीजेपी की मोनिका सर्राफ, वार्ड नं 18 से कांग्रेस समर्थित राजिंद्र सरदाना,
वार्ड नं 19 से बीजेपी की रुबी सेठी, वार्ड नं 20 से बीजेपी के संजीव रातुसरिया, वार्ड नं 21 से बीजेपी की चंद्रिका गनेरीवाला, वार्ड नं 22 से आजाद उम्मीदवार सरोज रोहिल्ला, वार्ड नं 23 से बीजेपी की कुसुम, वार्ड नं 24 से बीजेपी के विक्रम सैनी, वार्ड नं 25 से बीजेपी की पूजा रानी, वार्ड नं 26 से आजाद उम्मीदवार राजेंद्र कुमार, वार्ड नं 27 से बीजेपी के मनमोहन मिढा, वार्ड नं 28 से बीजेपी के जोगिंद्र सिंह, वार्ड नं 29 से बीजेपी की राखी मोर्या, वार्ड नं 30 से कांग्रेस के बलविंद्र सिंह, वार्ड नं 31 से बीजेपी की अनु मल्होत्रा, वार्ड नं 32 से बीजेपी की आशा रानी ने जीत दर्ज की।

खारियां में पंचायती गली में निकाली दीवार पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। गांव खारियां में मेघवाल मौहले की एक पंचायती गली में गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा दीवार निकालकर मौहले के घरों के मुख्यद्वार बंद करने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर मोहल्ले वासियों ने ग्राम पंचायत व जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और रानियां थाने में उक्त व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करवाकर गली से दीवार हटवाने की मांग की है।
पुलिस को दी शिकायत में मौहलेवासी सावित्री, पूजा रानी, रायसिंह, द्रोपती, कृष्णा व नंदराम सहित अन्य ने बताया कि वे मेघवाल परिवार से संबंध रखते हैं तथा सभी दिहाड़ी मजदूरी का कार्य कर अपना परिवार पाल रहे हैं। वे कई पीढियों से इसी मौहले में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके घरों के आगे जो गली लगती है वो पंचायत की गली है जो इंटरलॉक टॉयलों से बनी हुई है तथा गली में

लगते सभी घरों को स्वच्छ पेयजल जलापूर्ति के लिए विभाग द्वारा पाइप लाइन भी डाली गई है। कुछ समय पहले सरपंच ने उन्हें बिना किसी कागजात व मंजूरी दिखाए गली को उखाडकर नई बनाने की बात कही लेकिन आधी गली बनाकर बीच में छोड़ दी। बीती 9 मार्च को वे सभी अपने अपने काम पर गए हुए थे कि उनके पीछे से गांव के ही रामनिवास ने मिस्त्री व एक अन्य व्यक्ति को लेकर उनकी गली में दीवार निकालकर घरों में उनका आना जाना बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि गली में दीवार निकालने से उनका, उनके पशुओं व वाहनों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने ग्राम पंचायत को भी अवगत कराया, लेकिन उनका कोई समाधान नहीं हुआ।
पीडित मोहल्ले वासियों ने अपनी समस्या को लेकर रानियां थाने में शिकायत दर्ज करवाकर गली से दीवार हटवाने तथा उक्त दोषी व्यक्ति पर बनती कार्रवाई करने का मांग की है। मौहलेवासियों ने ग्राम पंचायत, जिला प्रशासन व पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर प्रशासन ने जल्द ही उनकी समस्या का समाधान नहीं किया तो वे जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने आत्मदाह करने को मजबूर होंगे।

ये मामला मेरे संज्ञान में अभी आया है। इससे पहले मुझे इसके बारे में कुछ भी सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। पंचायत मोहले में जाकर गली का मौका देखकर मामले की जांच करेगी। अगर उक्त व्यक्ति इस मामले में दोषी पाया जाता है तो ग्राम पंचायत द्वारा उस पर बनती कार्रवाई की जाएगी।
- माया देवी सरपंच खारियां।

महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। ऐलनबाद के गांव मिठी सुरेरां से एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।
पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि बीती 9 मार्च की सुबह उसकी पत्नी किसी काम से घर से बाहर गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार दें: वाणी गोपाल शर्मा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। अधिवक्ता परिषद सिरसा की ओर से जिला बार कांफ्रेंस हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्यातिथि जिला एवं सत्र न्यायधीश वाणी गोपाल शर्मा व अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवजीत कलेर ने शिरकत की। इसके अलावा सिरसा-डबवाली से अधिवक्ता, डिंग कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. मधु, सहसचिव भूपिंद्र कौर, जिलाध्यक्ष कृष्ण लांबा, सचिव रोहित शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य कपिल देव, अधिवक्ता चंद्र रेखा, सोनम सिंगला, अनीता बंसल सहित अन्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष कृष्ण लांबा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाणी गोपाल शर्मा ने कहा कि हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार देना चाहिए। हमें अपने बच्चों को हमारे इतिहास के बारे में बताना चाहिए, हमारी वीरांगनाओं के बारे में सिखाया जाना चाहिए, ताकि बच्चे उनसे प्रेरित होकर देशसेवा व अपने सनातन धर्म के बारे मे जान सकें। उन्होंने बेटियों को सशक्त बनने व सोशल मीडिया के हो रहे दुरूपयोग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को निडर, निर्भीक बनाने के साथ-साथ बच्चों को त्यौहारों को मनाने के महत्व के बारे में बताना चाहिए। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवजीत कलेर ने बताया कि महिलाओं को अपने मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आज की महिला, न्यायिक, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र को रोशन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को समाज में बढ़ रहे साइबर क्राइम के बारे में विस्तार से बताया। ऑनलाइन ठगी, महिलाओं के साथ हो रहे इलेक्ट्रॉनिक अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साइबर क्राइम से किस तरह से बचा जा सकता है और साइबर क्राइम से संबंधित कानून के बारे में भी मार्गदर्शन किया। हरियाणा अधिवक्ता परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष अमित गोयल ने अधिवक्ता परिषद के बारे में चर्चा की और अपना वक्तव्य रखा।

सदाचार के तौर पर मनाया जाएगा डॉ. अजय चौटाला का जन्मदिन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के 13 मार्च के जन्मदिन को पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं द्वारा सदाचार के तौर पर मनाया जाएगा।
इस सिलसिले में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेंद्र चाहरवाला, सुखमंदर सिहाग व शगनजीत सिंह गिल आदि ने संयुक्त रूप से बताया कि डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन पर चौटाला हाउस के समक्ष चौधरी देवीलाल सामुदायिक पार्क में पौधे रोपित किए जाएंगे और गरीबों में फल वितरित किए जाएंगे। साथ ही गायों को गुड़ व चारा भी खिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ. अजय सिंह चौटाला ने राजनीति में सदैव आदर्श, पारदर्शिता एवं नेक नियती का प्रमाण दिया है। जेजेपी पदाधिकारी सुरेंद्र चाहरवाला ने बताया कि उनके जन्मदिन को लेकर पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकताओं में जोश है और सभी उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना भी कर रहे हैं।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। सिविल लाइन थाना पुलिस ने गश्त के दौरान सेक्टर-19 हुडा क्षेत्र से हुई बाइक चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।
सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान युवकों की पहचान हर्षदीप उर्फ कालू पुत्र तरसेम सिंह व रविंद्र उर्फ काकू पुत्र विजय कुमार निवासी सेक्टर-19 हुडा सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि मनजीत सिंह निवासी गांव मोरीवाला हाल सेक्टर 19 हुडा सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया की रात को घर के सामने बाइक खड़ा किया था और सुबह देखा तो बाइक कोई नामालूम व्यक्ति चोरी कर-के ले गया था। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ सिविल लाइन थाना में बाइक चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

चोरी का आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 12 मार्च। सिंहपुरा चौकी पुलिस ने चोरी के एक मामले में संलिप्त पांचवें आरोपी कुलदीप सिंह उर्फ कीपा पुत्र बगा सिंह निवासी सिंहपुरा को काबू कर आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा केबल को बेचने पर राशि बरामद की है। सिंहपुरा चौकी पुलिस प्रभारी उप निरीक्षक चंदन सिंह ने बताया कि 24.06.2024 को मनप्रीत सिंह पुत्र गुरमेल सिंह वासी गांव सिंघपुरा की शिकायत पर उसके खेत से 20 फुट केबल चोरी होने पर मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान चार आरोपियों को पहले से काबू करके बंद जेल सिरसा करवाया गया था। आरोपी नरेश कुमार को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा व गहनता से पूछताछ की जाएगी।

खेल केवल चैंपियन नहीं बनाते बल्कि शांति, प्रगति और कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मधुबन पुलिस अकादमी में 73वीं अखिल भारतीय पुलिस वालीबॉल समूह 2024-25 के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने की शिरकत

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 12 मार्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल मात्र पदक जीतने का ही नहीं है बल्कि लोगों का दिल जीतने का माध्यम भी हैं। खेल केवल चैंपियन ही नहीं बनाते बल्कि यह शांति, प्रगति और कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं। ये दुनिया को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मचारियों से अपील की कि वे खेल भावना को मैदान तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन में भी अपनायें। अनुशासन, समर्पण और टीम वर्क को कर्तव्य में समाहित करें।

मुख्यमंत्री आज जिला करनाल में मधुबन पुलिस अकादमी में 73वीं अखिल भारतीय पुलिस वालीबॉल समूह 2024-25 के समापन अवसर पर आयोजित पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन है बल्कि पुलिस बल के अनुशासन, एकता और समर्पण का भी प्रतीक है। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं बल्कि अनुशासन, टीम वर्क, धैर्य और आत्मबल को विकसित करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम भी हैं। ये न केवल शारीरिक दक्षता को बढ़ाते हैं बल्कि अनुशासन भावना और मानसिक शक्ति को भी मजबूत करते हैं। साथ ही विपरीत परिस्थितियों में खड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

देश की सुरक्षा में दिन-रात लगे हुए हैं पुलिस कर्मचारी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल पुलिस बलों को कर्तव्यों का पालन करने में सहायक होते हैं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की 35 टीमों के 1088 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें से 791 पुरुष, 297 महिला और 65 तकनीकी अधिकारी भी शामिल हैं। श्री नायब सिंह सैनी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस कर्मचारी देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा में दिन-रात लगे रहते हैं। प्राकृतिक आपदा, कानून व्यवस्था अथवा आपात स्थिति में जन सहयोग की बात हो, पुलिस अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहती है। पुलिस न केवल कर्तव्यों को निभा रही है बल्कि खेलों में भी अमिट छाप छोड़ रही है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दक्षता व क्षमता का साबित करने का अवसर तो मिला ही है, साथ ही एक दूसरे की भावनाओं, मान्यताओं तथा रहन सहन की जानकारी भी मिली है। इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है।

खेल और पुलिस बल का गहरा संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और पुलिस बल का गहरा संबंध है। एक अच्छा सिपाही अच्छा खिलाड़ी भी होता है। खेल फिटनेस को भी बनाये

रखते हैं। खिलाड़ियों के दम खम पर भारत आज ओलंपिक तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेलों में बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। हरियाणा के खिलाडि?ों को इनमें सर्वाधिक योगदान रहा है। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा के 11 खिलाडि?ों को सम्मानित किया।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2024 में पेरिस में आयोजित ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते गये 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्राप्त किये। टोक्यो ओलंपिक 2020 में जीते 7 में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किये। वर्ष 2022 के एशियाई खेलों में जीते गये 111 में से 28 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्राप्त किये। इतना ही नहीं 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में भी हरियाणा ने 20 पदक जीते। यह सरकार की दूरदर्शी खेल नीति का परिणाम है।

खिलाड़ियों के लिए बनाया हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिये हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021 बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नये पद बनाये गये हैं। अब तक 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिये श्रेणी एक से चार तक की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया है। हरियाणा पहला ऐसा राज्य है जहां पदक जीतने वालों को नकद पुरस्कार दिया जाता है। अब तक 591 करोड़ के नकद पुरस्कार दिये जा चुके हैं। इतना ही नहीं खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 218 खिलाड़ियों को मानदेय दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक छात्रों को 53 करोड़ 45 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। प्रदेश में 1489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं। इनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रदेश में खेलों के लिये मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि जिस भी खेल में हैं, उसे जमकर खेलें और,खुद भी जीतें और टीम को भी जितायें। हारने पर भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। पीएम ने भी एक बार कहा था-खेल ऐसा क्षेत्र हैं जहां कोई हारता नहीं है बल्कि सीखता है। विकसित भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में पुलिस कर्मचारियों की भूमिका और बढ़ जाती है।

19वीं बार हरियाणा को मिला अखिल भारतीय पुलिस खेलों की मेजबानी का जिम्मा

पुलिस महानिदेश श्री शत्रुजीत कपूर ने बताया कि हरियाणा पुलिस को 19वीं बार अखिल भारतीय पुलिस खेलों की मेजबानी का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के भत्तों में तीन गुणा वृद्धि की है। वर्दी भत्ता ढाई गुणा बढ़ाया गया है। इतना ही नहीं मोबाइल भत्ता भी शुरू किया गया है। यात्रा भत्ता 10 दिन से बढ़ाकर 20 दिन कर दिया गया है। राशन भत्ता भी बढ़ाया गया है। शहीदों के आश्रितों की दी जाने वाली अनुग्रह राशि को तीन गुणा कर दिया है। प्रदेश में 22 पुलिस पब्लिक स्कूल खोले गये हैं। पुलिस लाइनों में 16 ई-लाइब्रेरी खोली जा चुकी है। हर जिला में जिम बनाये गये हैं।

इस मौके पर आईबी के संयुक्त निदेशक आईपीएस विधु शेखर ने भी खिलाडि?ों को संबोधित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सचिव एवं पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश, रोहतक रेंज आईजी केके राव, उपायुक्त उत्तम सिंह, एसपी गंगा राम पूनिया मौजूद रहे।

युवक 56.24 ग्राम हैरोइन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 12 मार्च। एंटी नारकोटिक्स सेल डबवाली ने गश्त व चैकिंग के दौरान कालांवाली क्षेत्र से एक युवक को 56 ग्राम 24 मिलीग्राम हैरोइन सहित काबू किया है।

एंटी नारकोटिक्स सेल डबवाली प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि एएसआई रणजोध सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान मंडी कालांवाली में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने गुप्त सूचना के आधार पर साथी कर्मचारियों की सहायता से आरोपी को काबू करके तलाशी ली तो उसके कब्जे से 56.24 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान नरेश कुमार पुत्र घीसा राम निवासी वार्ड नंबर 1 डबवाली के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कालांवाली थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कार्यवाही की है।

नलकूप की सबमर्सिबल मोटर चोरी करने के तीन आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 12 मार्च। बडागुढ़ा थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांव बुढाभाना में एक खेत से ट्यूबवैल की सबमर्सिबल मोटर चोरी करने वाले तीन आरोपियों को काबू किया है।

बडागुढ़ा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान वकील पुत्र आत्माराम, कुलदीप पुत्र निरंजन व सुनील पुत्र मोहनलाल निवासी गांव बुढाभाना जिला सिरसा रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गांव बुढाभाना निवासी धर्मपाल पुत्र लीला राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 11 जनवरी 2025 की रात को अज्ञात युवकों ने खेत से ट्यूबवेल की सबमर्सिबल मोटर चोरी कर ले गए है। शिकायत के आधार पर बडागुढ़ा थाना में चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों युवक नशा करने के आदी है और नशे की पूर्ति के लिए चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेजा गया है।

ट्रिपल इंजन की सरकार भाजपा की नीति और नीयत पर है जनता की मुहर : अनिल वर्मा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। थानेसर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में बड़े मार्जिन के साथ भाजपा मेयर प्रत्याशियों और वार्ड पार्षदों के जीत हासिल करने से ट्रिपल इंजन की तीसरी सरकार का गठन होना यह साबित करता है कि भाजपा की नियत और नीतियों को प्रदेश की जनता ने एकमत से स्वीकार किया है। यह विचार भाजपा कला और सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनिल वर्मा ने व्यक्त किए। अनिल वर्मा ने कहा कि चुनावी घोषणा के साथ ही भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने इन चुनावों को जीतने के लिए कड़ी मेहनत से योजना तय की थी, जिसके परिणाम स्वरूप आज पूरे प्रदेश के बहुमत से कमल खिला है। वर्मा ने कहा कि विपक्षी पार्टियों ने तो चुनाव से पूर्व ही अपनी हार स्वीकारते हुए न तो अपने प्रत्याशी खड़े किए और जहां चुनाव चिन्ह दिया भी, वहां भी गंभीरतापूर्वक प्रचार नहीं किया। केवल खानापूर्ति के लिए ही कहीं- कहीं अपने प्रत्याशियों को बलि का बकरा बनाते हुए चुनाव में खड़ा किया।अनिल वर्मा ने आशा व्यक्त की कि जीते हुए मेयर और पार्षद बिना भेदभाव के अपने वार्डों का विकास करवाएंगे और जनता के वोट को सही साबित करने का काम करेंगे।

अनिल वर्मा ने थानेसर से जीत हासिल करने वाली मेयर प्रत्याशी माफी ढांडा और सभी विजेता पार्षदों को इस ऐतिहासिक जीत की बधाई दी।

सडक किनारे झुके पेड़ों से हो रहे हादसे

विभाग सिर्फ रिपोर्ट बनाने तक सिमटा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 12 मार्च। सिरसा के गांव कुसुंभी से शेरपुरा मार्ग पर झुके पेड़ों के कारण हादसे हो रहे है। आसपास के ग्रामीण व वाहन चालक पेड़ों को हटाने के लिए कई बार अधिकारियों को शिकायत दे चुके है। लेकिन अभी तक उक्त पेड़ों को हटाने के लिए वन विभाग की तरफ से केवल कागजी कार्रवाई ही की जा रही है। हालांकि दो दिन पहले ही पेड़ के कारण गैस से भरा ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि बड़ा हादसा होने से टल गया।

शहर के साथ लगते गांव कुसुंभी से शेरपुरा मार्ग पर तीन से चार पेड़ रोड पर झुके हुए है। जिसके कारण यहां पर बड़े वाहनों की आवाजाही भी नहीं हो पाती। इस क्षेत्र में जाने वाले भारी वाहन चालकों को अन्य किसी मार्ग का सहारा लेना पड़ता है। हालांकि नेशनल हाईवे से दोनों गांवों की दूरी कम होने के कारण वाहन चालक इससे गुजरते है। लेकिन झुके हुए पेड़ से वाहन निकलना मुश्किल हो जाता है। रात के समय कई बड़े वाहन इस मार्ग से गुजरते है। जो पेड़ से टकराने के कारण वाहन क्षतिग्रस्त हो चुके है। दो दिन पहले ही गैस से भरा ट्रक पेड़ से टकरा गया। जिसके कारण वह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि स्पीड कम होने के चलते बड़ा हादसा होने से टल गया। ग्रामीण सतीश कुमार, नरेंद्र सिंह, सुभाष चंद कंबोज, जगदीश ने बताया कि लंबे समय से इन पेड़ों को हटवाने के लिए कई बार अधिकारियों को भी शिकायत दे चुके है।

लेकिन अभी तक इन्हें हटाया नहीं जा सका। जिसके कारण हादसा होने का खतरा बना रहता है।

जिला वन अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि कुसुंभी से शेरपुरा मार्ग पर झुके पेड़ों के संबंध में रिपोर्ट बनाकर भेजी गई है। उच्च अधिकारियों की तरफ से अनुमति मिलने के बाद पेड़ों को हटाया जा सकेगा।

डालनवास-गादड़वास गांव में वर्षो से हो रहा अनूठी परंपरा का निर्वहन, फाग के अगले दिन खेला जाता है रंग

फाग के अगले दिन मनाते है लोग त्योहार, फाग के दिन होता है सती दादी के मेले का आयोजन

अमित वालिया, सतनाली

गांव डालनवास-गादड़वास में वर्षो से एक अनोखी परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है, पूरे देश में जहां फाग पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा वहीं परंपरा के चलते डालनवास व गादड़वास में यह पर्व फाग के अगले दिन यानि 15 मार्च को मनाया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार रंगों के पर्व होली पर गांव में लोग किसी के ऊपर भी रंग नहीं डालते तथा गांव में सादगी पूर्वक होली का त्योहार मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि सतनाली क्षेत्र के गांव डालनवास, गादड़वास में होली के त्योहार पर रंग न खेलने की परंपरा है तथा होली पर्व पर फाग के दिन आयोजित मेले में सती दादी की पूजा अर्चना के बाद अगले दिन लोग यहां रंगों का त्योहार मनाते है। इस अनोखी परंपरा के बारे में गांव के बुजूर्गो ने बताया कि होली के दिन गांव में एक युवती अपने भावी पति की मौत के बाद उसकी चिता में सती हो गई थी, जिसके बाद से ही गांव में रंगों का त्योहार नहीं मनाया जाता तथा गांव में सती दादी के मेले का आयोजन किया जाता है। करीब 300 से 350 वर्ष पूर्व निकटवर्ती गांव माधोगढ़ के एक युवक की शादी राजस्थान राज्य के किसी गांव की युवती के साथ तय हुई थी। होली के दिन माधोगढ़ का युवक होली खेलने गांव डालनवास में आया था तथा इस दौरान अज्ञात कारणों से उसकी मौत हो गई थी। उसकी मौत के समाचार के बाद जिस युवती से उस युवक की शादी होनी थी, उस युवती को किसी अनहोनी का आभास हुआ तथा उसने इस बारे में अपने घरवालों को बताया। युवती के घरवालों ने युवती की बात को रात का बुरा सपना समझ कर उसकी बातों पर यकीन नहीं किया।

इसके बाद भी युवती ने अपनी शादी की तैयारियों के लिए जो गहने व वस्त्र आदि खरीदे थे, वे पहन लिए तथा अपने भावी पति से मिलने की इच्छा घरवालों के समक्ष जाहिर की। घरवालों ने युवती को शादी से पूर्व उसके पति से मिलने की अनुमति प्रदान नहीं की, लेकिन युवती अपनी जिद पर अडिग रही। युवती के न मानने पर उसके घरवालों ने उसे कमरे में बंद कर दिया। बताया जाता है कि जिस कमरे में युवती को बंद किया गया था, उस कमरे का दरवाजा कुछ समय बाद अचानक ही खुल गया। दरवाजा खुलने के बाद युवती घर से निकल पडी। युवती के घर से निकलने की बात सुनकर उसके घरवालों ने उसका पीछा किया, लेकिन युवती को वापस घर लाने में असफल रहे। घर से निकलकर युवती गांव डालनवास पहुंच गई। बताया जाता है कि ठीक उसी समय गांव में उस युवक के अंतिम संस्कार के लिए तैयारियां की जा रही थी। अपने होने वाले पति की मौत का समाचार सुन युवती बेहोश हो गई तथा होश आने पर जब उसने देखा कि उसके भावी पति की चिता को आग दी जा रही है तो वह उस आग में कूद गई तथा सती हो गई। युवती के सती होने के बाद ग्रामीणों में शोक का माहौल व्याप्त हो गया तथा उस दिन के बाद से ही गांव में होली का त्योहार नहीं मनाया जाता, क्योंकि होली के अगले दिन यानि फाग के दिन उस युवक का अंतिम संस्कार किया गया था।

सती होने से पूर्व युवती ने ग्रामीणों से होली न मनाने तथा उस स्थान पर जहां वह सती हो रही है, उस पर पूजा अर्चना करने पर चर्म रोग से छुटकारा मिलने का वरदान दिया था। कहा जाता है कि सती दादी के मेले में जो लोग आस्था से उनकी पूजा अर्चना करते है तथा मन्नत मांगते है, उन्हें चर्म रोग नहीं होते तथा जिन लोगों को चर्म रोग होते है उनसे उन्हें निजात मिलती है। इसी मान्यता के चलते गांव डालनवास-गादडवास में होली का त्योहार नहीं मनाया जाता तथा मेले में आकर सती दादी की पूजा अर्चना के लिए सतनाली क्षेत्र सहित सीमावर्ती राजस्थान राज्य के लोग भी आते है तथा चर्म रोग से निजात पाते है। रंगों के त्योहार होली पर इस बार भी सती दादी के मेले का आयोजन किया जाएगा।

चौथी कक्षा के विद्यार्थियों ने कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों को दी विदाई पार्टी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हथीरा में कक्षा चौथी ने कक्षा पांचवीं को विदाई पार्टी दी। इस अवसर पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक पहुंचे। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया और बच्चों को कॉपी, पेंसिल बांटी। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा बच्चों व स्टाफ सदस्यों को नये दाखिलों के लिए आह्वान किया। उन्होंने

राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हथीरा के इंचार्ज सूबे सिंह और स्टाफ सदस्यों को बहुत बधाई दी और प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोगों की मेहनत ही सरकारी स्कूलों को बचाने में सहायक है। आपका काम सराहनीय पाया गया है। सभा में स्कूल के एसएमसी सदस्य और बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया। इसके साथ ही स्कूल स्टाफ सदस्यों में सूबे सिंह, परमजीत कौर, विकास छौकर, सत्यवान ढांडा, रेणु डाबड़ा, सुमन लता व स्वीपर कम चौकीदार बलकार सिंह एवं मिड डे मील वर्कर हरप्रीत कौर शामिल रहे।

गागड़वास गांव में होली पर सदियों से हो रहा है एक अनोखी परंपरा का निर्वाह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 12 मार्च। उपमंडल के गांव गागड़वास में एक अनोखी परंपरा का सदियों से निर्वाह किया जा रहा है इसके अनुसार प्रत्येक वर्ष होलिका दहन के पश्चात गांव में दूध, पानी, तेल, अनाज और पानी का एक मिश्रण तैयार किया जाता है। इस मिश्रण को विशेष रूप से तैयार पांच मटकियों में भरकर गांव के चुने हुए नौजवान पूरे गांव की परिक्रमा करते हैं जिसे स्थानीय भाषा में ह्यकार लगानाह्न कहते हैं। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने तक गांव का जो आदमी गांव के बाहर होता है वो बाहर तथा भीतर वाले भीतर ही रहते हैं। परिक्रमा भंग ना हो इसके लिए हर चौराहे पर अलग-अलग लोगों की ड्यूटियां लगाई जाती हैं। गांव के लोगों ने इस अनोखी परंपरा के बारे में बताया कि करीब तीन सदी पूर्व इस गांव की स्थापना के कुछ साल बाद ही बहुदास नामक एक दादूपंथी महात्मा गांव में पधारे। इन महात्मा जी के कहने पर ही गांव को मंदिर के सामने वाले टीले से बदलकर वर्तमान स्थान पर आबाद किया गया। उन्होंने गांव के लोगों को इस परंपरा का पालन करने के साथ-साथ मद्यपान न करने तथा घर की रसोई के आगे तंबाकू आदि लेकर तथा जूते उतारे बिना न जाने जैसी कई हिदायत दी थी। उन्होंने कहा था कि जब तक इन बातों का पालन गांव में होता रहेगा तब तक इस गांव की ख्याति बनी रहेगी तथा गांव में किसी प्रकार की महामारी नहीं फैलेगी। खास बात यह है कि लोग आज भी पूरी निष्ठा के साथ उक्त महात्मा की बताई बातों पर अमल करते हैं। इसे संयोग कहें या बाबा बहुदास के आशीर्वाद का फल है कि गागड़वास गांव राजनीति, सरकारी सेवा, खेल और देश सेवा जैसे हर क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है। गांव के बाहर बाबा बहुदास की समाधि बनी हुई जिस पर हर शुक्रवार को गांव के लोग जाकर पूजा-अर्चना करते हैं तथा मन्नतें मांगते हैं। लोगों द्वारा समाधिस्थल का जीर्णोद्धार करवाया गया है। गांव के बीचोंबीच एक प्राचीन दादूपंथी मंदिर भी बना हुआ है। पशु का पहला दूध चढ़ाने के साथ-साथ मुंडन संस्कार भी लोग यहीं करवाते हैं।

सीनियर सिटीजन के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 12 मार्च। वरिष्ठ नागरिकों को कुछ पल खुशी और मनोरंजन के देने के उद्देश्य से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। भारत विकास परिषद ईस्ट 1 और द लास्ट बेंचर के आपसी सहयोग से सेक्टर 18 के कम्युनिटी सेन्टर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन हुआ। चंडीगढ़ नगर निगम की मेयर हरप्रीत कौर बबला समारोह की मुख्य अतिथि थी। भारत विकास परिषद ईस्ट 1 की महिला इकाई की प्रमुख नीलम गुप्ता व उनकी टीम डॉक्टर वंदना भाटिया, प्रमिला ग्रोवर, अनु सिंगला, अमिता मित्तल और सुमन गुप्ता सहित प्रशंसा और समाजसेवी संस्था द लास्ट बेंचर की प्रेसिडेंट सुमिता कोहली और उनकी टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को तंबोला गेम खिलवाई गई और विजेताओं को इनाम भी बांटे गए। मेयर हरप्रीत कौर बबला ने वरिष्ठ नागरिकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

निगम मेयर हरप्रीत कौर बबला ने कहा कि वह लोग बड़े खुश नसीब होते हैं, जिनके वृद्ध माता-पिता घर में आनंद से रहते हैं। हमें ऐसे लोगों का सम्मान करते हुए हमेशा आदर देते रहना चाहिए। इसलिए हम सबको वृद्धजनों सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़े बुजुर्ग हमें बहुत से अनुभवों का बोध कराते हैं।

द लास्ट बेंचर की प्रेसिडेंट सुमिता कोहली ने कहा कि हम अपने घर व समाज में ही देखते हैं कि जो बड़े- बुजुर्ग और वृद्ध होते हैं, वे अपना स्वार्थ का त्याग कर हमारी खुशी के लिए समर्पित रहते हैं। वृद्धजन के संस्कारों के माध्यम से हम उच्च मार्ग की ओर जाते हैं। लेकिन अफसोस होता है, कि कुछ लोग इसे भूल जाते हैं।

हमें समझना चाहिए कि वरिष्ठ

वृद्धजन के संस्कारों के माध्यम से हम उच्च मार्ग की ओर जाते हैं। लेकिन अफसोस होता है, कि कुछ लोग इसे भूल जाते हैं। हमें समझना चाहिए कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। उन्होंने देश और समाज को बहुत कुछ दिया है। उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक अनुभव होता है। आज का युवा वर्ग राष्ट्र को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव से लाभ उठा सकता है। अपने जीवन की इस अवस्था में उन्हें देखभाल और यह अहसास करायें जाने की जरुरत होती है कि वे हमारे लिए खास महत्व रखते हैं। हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों का सम्मान करने की राह दिखाई गयी है।

कश्मीर का राग पुराना!

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर लिए बिना भारत चैन से नहीं बैठेगा और उसके अलावा कश्मीर का मुद्दा हल नहीं होगा। लंदन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पाकिस्तान को लेकर सवाल पूछा तो जयशंकर ने ह्यसंघह्ल छाप जवाब दिया। जयशंकर एक सेवानिवृत्त भारतीय विदेश सेवा नौकरशाह हैं। मोदी ने सुषमा स्वराज की जगह उन्हें विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया, लेकिन जयशंकर डॉ. मनमोहन सिंह नहीं हैं। जयशंकर ने विदेश मंत्रालय में वैसा क्रांतिकारी काम नहीं किया, जैसा मनमोहन सिंह ने देश में आर्थिक क्रांति की थी। डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी जैसे लोग जयशंकर का मजाक उड़ाते हैं। जयशंकर कहते हैं, ह्यपाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के इलाके को ले लेंगे।ह्ल जयशंकर और उनकी पार्टी को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर कब्जा करने से किसी ने नहीं रोका है। मोदी सरकार को आए दस साल हो गए हैं और इतना वक्त मोदी जैसे नेताओं के लिए कश्मीर पर कब्जा करने के लिए काफी है। कश्मीर पर कब्जा करेंगे और अखंड भारत बनाएंगे। उसके लिए पाकिस्तानियों के सीमा में घुसकर उन्हें मारेंगे, ऐसी गर्जना प्रधानमंत्री मोदी कई बार कर चुके हैं। अंततः वे दहाड़ें हवाई निकलीं। कश्मीर में मोदी ने कुछ खास नहीं किया। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मुख्य कारण पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर है। इस तनाव को सुलझाने के लिए कश्मीर मुद्दे को सुलझाना होगा, लेकिन कोई भी कश्मीर की जमीन छोड़ने को तैयार नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ

सिंह ने कश्मीर जाकर भारतीय सेना के सामने भाषण देते हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा है और जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे, यही राग अलापते रहते हैं। मोदी-राजनाथ-जयशंकर को मिल बैठकर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत में वापस लेने की योजना और समयसीमा तय करनी चाहिए। ऐसी घोषणा करनी चाहिए कि अगले दो साल में हम पाकिस्तान में घुसकर कश्मीर पर तिरंगा फहराएंगे। मोदी ऐसा क्यों नहीं करते? कश्मीर के नाम पर कब तक रोटी सेकेंगे? इस सवाल से लोगों को बेवकूफ बनाने की राजनीति कभी तो बंद होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग भी कश्मीर मुद्दे पर स्टैंड लेते हुए कहते हैं कि पाकिस्तान को पूरी तरह से भारत से जोड़ देंगे। इसे सुनकर कोई भी भारतीय खुशी से फूला नहीं समाता। क्योंकि बंटवारे का जख्म आज भी सुलग रहा है। पाकिस्तान का निर्माण धर्म के आधार पर हुआ था। बेशक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश की आजादी की लड़ाई में नहीं था। इसलिए ये लोग धरने पर बैठ जाते हैं और आलोचना करते रहते हैं। जब देश आजाद हुआ तो इन लोगों ने आजादी के समारोह में हिस्सा नहीं लिया और अपने नागपुर कार्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया। अगर ये लोग कश्मीर पर कब्जा करने की चुनौती स्वीकार करते हैं तो उनका स्वागत है। सरसंघसंचालक पहले ही राय व्यक्त कर चुके हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ह्यफौजह्ल भारतीय सेना से अधिक मजबूत है। यदि ये फौज पाक अधिकृत कश्मीर में घुसकर जलालाबाद, बलूचिस्तान आदि पर ह्यदुनियाभर मेंह्ल झंडे फहराएंगी तो पूरा देश उनका गौरवगान करेगा। मोदी की जीत में इस संघ की भूमिका है। क्या संघ को यही प्रयास कश्मीर के मामले में नहीं दिखाना चाहिए? लंदन स्थित पाकिस्तानी पत्रकार निसार ने जयशंकर से पूछा, ह्यक्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कश्मीर के मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर सकते हैं?ह्ल जयशंकर ने कहा, ह्यपाकिस्तान को कश्मीर छोड़ देना चाहिए, समस्या सुलझ जाएगी।ह्ल भारत ने पाकिस्तान के साथ दो युद्ध लड़े, लेकिन कश्मीर का मुद्दा जस का तस बना हुआ है। जब चुनाव आता है तो मोदी और संघ के लोग कश्मीर का राग अलापते हैं। जब चुनाव खत्म हो जाते हैं तो उनका गला खराब हो जाता है। कश्मीर से धारा-३७० हटाई गई। कश्मीर का राज्य का दर्जा वापस ले लिया गया। लेकिन इन बातों से कश्मीर समस्या का समाधान हो जाएगा यह एक गोलमाल ही है। मोदी सरकार कश्मीर में ह्यपंडितोंह्ल की समस्या का समाधान नहीं कर पाई है। पंडित अपने घर वापस नहीं जा सकते और भाजपा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में घुसकर उन्हें मारने की शेखी बघारती है। विदेश मंत्री जयशंकर ने तो लंदन में ऐसा बयान दे दिया कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर मुद्दे को चुटकियों में सुलझा लेगा। जयशंकर को पहले उस क्षेत्र पर टिप्पणी करनी चाहिए जिसे चीन ने भारत से निगल लिया है
। चीनी लाल सेना के सामने घुटने टेकना और पाकिस्तान की बात करना कैसी नीति है? कश्मीर में आतंकवाद जारी है। केवल उस खबर के प्रचार-प्रसार पर रोक है। भारत सरकार मणिपुर मुद्दे का समाधान नहीं कर पाई। बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर नहीं निकाल सकी। अमेरिका भारतीय घुसपैठियों को हथकड़ी लगाकर वापस भेज रहा है। हम प्रेसिडेंट ट्रंप के सामने यह सवाल नहीं उठा सके और भारतीयों का अपमान करना बंद नहीं करवा सके और जयशंकर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लाने जा रहे हैं! उनका स्वागत है। लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने जयशंकर के काफिले में घुसकर प्रदर्शन किया। भारत विरोधी नारे लगाए। भारत में अलगाववादियों की दुम फिर हिलने लगी है। इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। कश्मीर का राग जारी रहेगा!

संपादकीय

कांग्रेस : देर आयद दुरुस्त आयद

अपने दो दिवसीय गुजरात के दौरे पर राहुल गांधी ने जो कहा वह उन्हें काफी पहले कहना चाहिये था और अब वे जो करने का कह रहे हैं उन्हें बिना विलम्ब किये कर देना चाहिये। लोकसभा के भीतर राहुल ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी है कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा को सत्ता से हटायेगी। लोकसभा चुनाव के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस को वैसी सफलता नहीं मिली जो राहुल के दावे के आसपास भी कहीं हों। हालांकि राहुल ने जब भाजपा को हराने की बात कही थी तब उनका आशय विधानसभा चुनावों से था जो पहले ही हो चुके थे और अगला चुनाव होने में अभी काफी वक्त है। वह 2027 में होगा।

विधानसभा 2027 और लोकसभा 2029 में। गुजरात में राहुल का दो दिन बिताना कई संकेत दे रहा है। पहला तो यह है कि अब कांग्रेस आखिरी लम्हों में काम शुरू करने की बजाय काफी पहले से काम शुरू करने की आदत डाल रही है जो सम्भवतः अपनी पिछली गलतियों से मिली सीख है। गुजरात में शुक्रवार को उन्होंने नेताओं और पार्टी सदस्यों से मैराथन मुलाकातें कीं। फिर दूसरे दिन (शनिवार) कार्यकताओं को जो सम्बोधन किया, वह बेहद महत्वपूर्ण है और उसका ताल्लुक केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। राहुल ने भीतरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया कि 'वे भाजपा की बी-टीम बनकर काम करने की बजाय बाहर चले जायें।' राहुल या कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सामान्यतः जो नहीं कहता था या अब तक नहीं कहा था वह पहली बार उन्होंने साफ-साफ कह दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी हितों के खिलाफ काम करने वाले 10-20 ही नहीं 40 लोगों को भी निकालना पड़े तो उसके लिये संगठन तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि 'कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं पर उन्हें बांधकर रखा गया है।' उनका इशारा उन पदाधिकारियों और नेताओं की ओर था जो या तो निष्क्रिय हैं अथवा अपनी बातों या कामों से प्रत्यक्ष-परोक्ष व सायास-अनायास भाजपा की मदद करते हैं।

सच यही है कि कांग्रेस अपनी अंदरूनी बीमारी से लम्बे समय से जूझ रही है जिसने उसे बाहरी आक्रमणों की बजाय कहीं अधिक नुकसान पहुंचाया है। ऐसे लोगों की लम्बी फेहरिस्त है जिनके कारण पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा है। राजीव गांधी की मृत्यु के बाद से ही कांग्रेस की यह दिक्कत शुरू हो गयी थी। ऐसे वक्त में जब पूरी पार्टी को एकजुट होकर खड़े होना था, सोनिया गांधी के विदेशी मूल को लेकर पार्टी के तीन बड़े नेताओं- शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बना ली जो एक व्यर्थ की कवायद साबित हुई क्योंकि बाद में डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व की दोनों यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायंस सरकारों में एनसीपी शामिल हुई और अब वह प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया में है जिसका नेतृत्व कांग्रेस करती है। तारिक पार्टी में लौट आये जो अब कटिहार के सांसद हैं। जो नुकसान होना था, हो गया क्योंकि पार्टी टूटी थी तथा विदेशी मूल के भाजपायी विमर्श को प्रोत्साहन मिला था। कांग्रेस की पिछले तीन-साढ़े तीन दशकों की यात्रा में कई लोगों ने अपने बयानों से पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यहां उन लोगों की बात नहीं हो रही है जिन्होंने खुद या उनके पुरखों ने कांग्रेस से सब कुछ पाया- पद, रूतबा, सम्पन्नता, लेकिन जब मोदी-शाह की जांच एजेंसियों का डंडा चलने का खतरा नजर आया, उन्होंने सीधे भाजपा कार्यालय का रूख किया। इनमें असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा से लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले के आरोपी अशोक चव्हाण जैसे हैं जो ईडी की पहली घुड़की में ही पार्टी छोड़ गये। पार्टी के भीतर ही जी-23 जैसा आंतरिक गुट बनाया गया।

कांग्रेस के पास जो बुद्धिजीवी हैं उनकी राजनीतिक समझ पर तरस ही खाया जा सकता है जो इस बात की तनिक भी सावधानी नहीं रखते कि उनके किस कहे-लिखे से दल को क्या नुकसान हो सकता है। जिस मणिशंकर अय्यर ने 2017 में मोदी के लिये अपमानजनक टिप्पणी कर लोकसभा (2019) में भाजपा को विक्टिम कार्ड खेलने का अवसर दिया था, अब राजीव गांधी की शैक्षिक योग्यता पर बयान देकर उन लोगों को परेशानी में डाल रहे हैं जो मोदी की डिग्री को लेकर सवाल करते रहे हैं। अय्यर वे शख्स हैं जिन्हें राजीव ने महत्वपूर्ण मंत्रालयों से नवाजा था।

इसी पंक्ति में सलमान खुर्शीद जैसे लोग हैं जो अपनी उस किताब को चुनाव के ऐन पहले प्रकाशित कराते हैं जिसमें वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना आतंकवादी संगठन से कर कई सीटें हाथ से निकल जाना सुनिश्चित करते हैं। जो व्यक्ति अध्यक्ष पद के लिये चुनाव लड़कर भी पार्टी में अपना महत्व, पद व दावा नहीं गंवाता- शशि थरूर- वे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ऐसे वक्त में अपनी भूमिका पूछते हैं जब कांग्रेस अपने वजूद की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ रही है जिसमें युवा राहुल हजारों किलोमीटर की यात्रा कर रहे हैं तथा वयोवृद्ध खरगे रात-दिन पसीना बहा रहे हैं।

कठोपनिषद-5 (द्वितीय वल्ली)

यम बोले हे नचिकेता-
आत्मा का नहीं अनुभव जिसे
कहलाए अवर,
मिले उपदेश भले ही नहीं
आत्मा की खबर,
आत्मदर्शी ही होता असाधारण
पुरुष अनन्य,
आत्मा सूक्ष्म से भी सूक्ष्म यह
विषय नहीं अन्य,
तेरे जैसा जिज्ञासु उच्च
अवस्था का हो अधिकारी,
धैर्य वाला कोई विरला ही होता
सत्कारी,
जिस ज्ञान अवस्था को हुआ
प्राप्त,
आत्म दर्शन में ही होती
शुभमति व्याप्त,
सांसारिक निधि को जानो
अनित्य,
अनित्य पदार्थ से ध्रुव आत्मा
का नहीं परिचय,
फल विशेष की कामना छोड़
हो यज्ञ निष्काम,
नित्य अटल ध्रुव को पहचानना
आसान,
आत्मानुभव करने वाला
कहलाता धीर,
अलौकिक कामनाओं का
विषय बड़ा गंभीर,
यज्ञ का अनंत फल प्रतिष्ठा का
त्याग,
लौकिक यश के प्रति न रहे
कोई लगाव,
जिस आत्मा के बारे में पूछा
उससे बढ़कर एक और तत्व,
आनंद स्वरूप को पकड़
मनुष्य आत्मा होती गदगद,
आत्म योग प्राप्ति से परम देव
को जानो,
इसके अलावा नहीं कोई मार्ग
यह मानो,
धीर पुरुष जानकर न करे हर्ष-
शोक सुख-दुख,
मुक्ति का अधिकारी ही होता
उन्मुख,
नेत्रों से न देखा जाए परम
शक्ति भगवान,
अत्यंत गूढ़ घट- घट वासी का
बुद्धि गुफा में स्थान,
सदा काल से यह चला आ
रहा,
नित्य ही उसका आनंद विरला
पा रहा।

क्रमशः

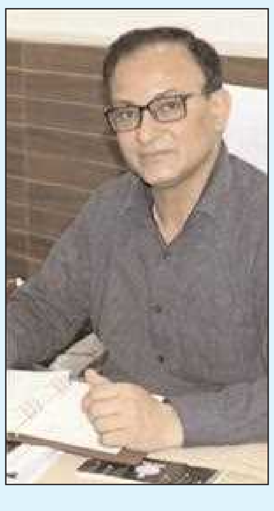

-डॉ विनोद कुमार शर्मा,
चंडीगढ़।

पुरानी टीम में आधे भाजपा के : क्या इन्हीं के साथ अहमदाबाद अधिवेशन होगा?

- शकील अख्तर

गुजरात के बाहर के कांग्रेसी नेता चिंतित नहीं हैं। उनका कहना है कि राहुल गांधी ने यह केवल गुजरात के लिए कहा है। हरियाणा के लिए नहीं, राजस्थान के लिए नहीं। जहां के कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा से मिलकर जीते हुए विधानसभा चुनाव हरवा दिए। कांग्रेस मुख्यालय में दूसरे लोगों के लिए नहीं।

क्या कांग्रेस ऐसे ही आधे संघियों को लेकर अहमदाबाद अपने पूर्ण अधिवेशन (प्लेनरी) में पहुंच जाएगी? अगले माह अप्रैल में होना है। 8 और 9 तारीख को उसी अहमदाबाद में जहां राहुल ने कहा कि पार्टी में पचास प्रतिशत लोग भाजपा के भरे पड़े हैं। इनके दिल में और खून में कांग्रेस नहीं है। ये कांग्रेस में रहकर भाजपा का काम कर रहे हैं।

बहुत स्पष्ट भाषण था राहुल का। शनिवार 8 मार्च को अहमदाबाद में। कार्यकर्तओं से बात करते हुए। कार्यकर्ता बहुत खुश हुए। दिल से तालियां पीटीं। जो बात वे हमेशा से कह रहे थे वह राहुल ने कह दी। एकदम साफ शब्दों में। कोई इसे हल्का नहीं कर सकता। दूसरा अर्थ नहीं निकाल सकता।

गुजरात के बाहर के कांग्रेसी नेता चिंतित नहीं हैं। उनका कहना है कि राहुल गांधी ने यह केवल गुजरात के लिए कहा है। हरियाणा के लिए नहीं, राजस्थान के लिए नहीं। जहां के कांग्रेसी नेताओं ने भाजपा से मिलकर जीते हुए विधानसभा चुनाव हरवा दिए। कांग्रेस मुख्यालय में दूसरे लोगों के लिए नहीं जो कांग्रेस में बैठकर राहुल को गालियां देते हैं और मोदी की तारीफ करते हैं।

गुजरात के बाहर के लोगों की बात सुनकर ऐसा लगता है कि उन्हें भाजपा के साथ मिले रहने की छूट है। राहुल एक काम करें कि कांग्रेस मुख्यालय में एक पोलिंग बूथ बनवा लें। तो उन्हें मालूम पड़ जाएगा कि जो आधे बीजेपी वाले कह रहे थे उससे बहुत ज्यादा हैं।

कांग्रेस में संघ की यह घुसपैठ आज की नहीं है बहुत पहले से है। और उस समय स्वाभाविक थी। आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने वाली पार्टी थी। सब विचारों के लोग आते थे। ज्यादातर अंग्रेजों से लड़ने के लिए मगर कई कांग्रेस में घुसकर नेहरू-गांधी को कमजोर करने के लिए। अंग्रेजों को फायदा पहुंचाने के लिए। मगर नेहरू नियंत्रण रखते थे। सरदार पटेल ने आरएसएस पर पाबंदी लगाई। और कहा कि अगर आपके अंदर राष्ट्रप्रेम है तो कांग्रेस के साथ मिलकर काम कीजिए। बाद में इन्दिरा गांधी ने भी पहचाना और इन्हें अलग थलग करने के लिए अलग कांग्रेस ही बना दी। मगर उनके बाद पार्टी में विचार पूरी तरह खत्म हो गए। और दक्षिणपंथी, साम्प्रादायिक, दलित, पिछड़ा विरोधी लोग छा गए।

अब राहुल ने पहली बार इतने साफ शब्दों में पार्टी की असली सूरत सबके सामने रख दी। और अब अगर खुद राहुल भी यह कहें कि उन्होंने सिर्फ गुजरात के नेताओं के लिए कहा था तो कोई यकीन नहीं करेगा। पार्टी और कमजोर हो जाएगी। राहुल भी डर से अपनी बात से पलट रहे हैं यह खराब मैसेज पार्टी कार्यकताओं तक चला जाएगा।

इसलिए अब राहुल के पास कोई रास्ता नहीं है। उन्हें पार्टी का पुनर्निर्माण करना ही होगा। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे यह बात पहले ही कह चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कब? खरगे को अध्यक्ष बने ढाई साल हो गए। मतलब नए नियमों के मुताबिक आधा कार्यकाल। अगर संशोधन नहीं होता पुरानी समयावधि रहती तो बिना संगठन में कुछ किए उनका कार्यकाल खत्म होने वाला होता। 2010 के संविधान संशोधन से पहले अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता था तो खरगे के लिए कुछ करना बहुत जरूरी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उनके साथ हैं। फिर देर क्यों?

यही एक सवाल है जिसका जवाब किसी के पास नहीं है। प्रियंका गांधी लंबे समय से बिना किसी जिम्मेदारी के महासचिव हैं। अगर कांग्रेस प्रियंका को करिश्माई नेता मानती है तो उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने में देर क्यों कर रही है? कोई जवाब नहीं!

अब सबसे बड़ा सवाल। क्या पार्टी के पूर्ण अधिवेशन (प्लेनरी) से बड़ा कोई जलसा होता है? हर तीन साल में यह होता है। एआईसीसी के सदस्य इसमें भाग लेते हैं। जिनकी संख्या अब तो हजारों में हो गई मगर कभी चार सौ-पांच सौ के आसपास होती थी। बड़ी सम्मानजनक चीज मानी जाती थी। लोग अपने नाम के साथ लगाते थे- एआईसीसी मेंबर।

तो इस पूर्ण अधिवेशन की तैयारियां बहुत पहले से शुरू हो जाती हैं। अब तो कांग्रेस के मुख्यालय में लायब्रेरी खतम हो गई। पहले हर पूर्ण अधिवेशन की कार्रवाई का रिकार्ड छपा हुआ वहीं होता था।

हिंदू त्यौहार और साम्प्रदायिक राष्ट्रवादी राजनीति

- राम पुनियानी

जहां धार्मिक लोगों की दृष्टि में इस आयोजन की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता बहुत अधिक है, वहीं इस बार इसे राजनैतिक रंग दे दिया गया। कुम्भ पहली बार नहीं हुआ है मगर इस बार यह हिंदुत्व एजेंडे को आगे बढ़ाने का अवसर बन गया। राज्य सरकार, जो भीड़ का ठीक से प्रबंधंन नहीं कर सकी। संघ परिवार का हिंदू राष्ट्र का एजेंडा तरह-तरह के नैरेटिव्स को अलग-अलग तरह से बुनने और उन्हें अलग-अलग मंचों से प्रस्तुत करने पर आधारित है। संघ परिवार के लिए धार्मिक त्यौहार अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने के अवसर होते हैं. वह देवी-देवताओं का इस्तेमाल भी अपने लिए लाभकारी सामाजिक-राजनैतिक सन्देश देने के लिए करता है।

हाल में समाप्त हुआ कुंभ मेला धार्मिक आयोजन की जगह राष्ट्रीय समारोह बन गया। इस बार के कुभ में एक नई बात यह थी कि संस्कृति एवं विकास के वाहक के रूप में कुम्भ की जबरदस्त मार्केटिंग की गयी। इस आयोजन को हिन्दू धर्म का दुनिया का सबसे बड़े आयोजन बताया गया। इतने बड़े आयोजन में श्रद्धालुओं के रहने, साफ-सफाई और परिवहन का इंतजाम करना तो सरकार की जिम्मेदारी होती है. लेकिन इस बार देखा गया कि सरकार इस आयोजन का मानों हिस्सा बन गयी। सत्ताधारी दल से जुड़े संगठनों जैसे विश्व हिंदू परिषद, धर्मसंसद और व्यक्तिगत तौर पर साधु-संतों आदि ने इस मेले का इस्तेमाल हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे के विभिन्न हिस्सों के प्रचार-प्रसार और मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने के लिए किया

जहां धार्मिक लोगों की दृष्टि में इस आयोजन की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता बहुत अधिक है, वहीं इस बार इसे राजनैतिक रंग दे दिया गया। कुम्भ पहली बार नहीं हुआ है मगर इस बार यह हिंदुत्व एजेंडे को आगे बढ़ाने का अवसर बन गया। राज्य सरकार, जो भीड़ का ठीक से प्रबंधंन नहीं कर सकी, काफी समय से भक्तों को बड़ी से बड़ी संख्या में कुंभ में आने के लिए निमंत्रित करने में जुटी हुई थी। इस निमंत्रण को जन-जन तक पहुंचाने में करोड़ों रुपए खर्च हुए होंगे।

इस आयोजन में मुस्लिम व्यापारियों का बहिष्कार किया गया और उन्हें दुकानें आदि नहीं लगाने दी गईं। इसकी कई वजहें बताई गईं जिनमें से एक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा फैलाया गया यह झूठ था कि मुसलमान खाद्य सामग्री पर थूकते हैं इसलिए उन्हें दूर रखा गय। ऐसे कई झूठे वीडियो सोशल मीडिया पर चल रहे थे। इसके ठीक विपरीत, मुसलमानों ने भगदड़ पीड़ितों के लिए मस्जिदों के दरवाजे खोल दिए और उनके खाने-पीने का इंतजाम किया। यहां यह जिक्र करना प्रासंगिक होगा कि मुगल शासकों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुम्भ क्षेत्र में कई घाटों और शौचालयों का निर्माण करवाया गया था। इतिहासकार हेरम्भ चतुवेर्दी के अनुसार अकबर ने कुंभ की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए दो अधिकारियों को नियुक्त किया था।

पूरे मेला क्षेत्र में नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के होर्डिंग बड़ी संख्या में लगे हुए थे. काफी बड़ा इलाका मेले में आने वाले वीआईपी व्यक्तियों के लिए आरक्षित था, जिसकी वजह से कई बार भगदड़ के हालात बने जिनमें बहुत से लोग मारे गए. परिवहन व्यवस्था अच्छी और पर्याप्त नहीं थी। नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर मची भगदड़, जिसमें कई लोग मारे गए, से यह साफ है।

अभी-अभी मशहूर हुए एक बाबा धीरेन्द्र शास्त्री, जिन्हें नरेन्द्र मोदी अपना छोटा भाई कहते हैं, ने प्रसन्न भाव से कहा कि जो लोग भगदड़ में मारे गए उन्हें मोक्ष मिलेगा। गंगा के पानी की गुणवत्ता बहुत ही नीचे स्तर तक गिर गई। नदी में ई-कोलाई और मल-मूत्र घुला हुआ था।

पानी की गुणवत्ता और मौतों को लेकर की गई आलोचना का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुअरों को गंदगी नजर आ रही है और गिद्ध लाशें गिन रहे हैं!

विश्व हिंदू परिषद ने इस स्वर्णिम अवसर का उपयोग मार्गदर्शक मंडल की बैठकों के आयोजन लिए किया। इसमें दिए गए भाषणों में मुसलमानों के खिलाफ जमकर जहर उगला गया। मुस्लिम विरोधी प्रोपेगेंडा, जो आम तौर पर उनकी जनसंख्या में तेज वृद्धि, बांग्लादेश से घुसपैठ, गौरक्षा आदि से संबंधित रहता है, उसे इन बैठकों में बार-बार दुहराया गया। नफरत फैलाने में एक्सपर्ट वक्ताओं जैसे साध्वी ऋ तंभरा, प्रवीण तोगडिया और यति नरसिंहानंद सरस्वती ने मौके का पूरा-पूरा फायदा उठाया। उन्हें बड़ी संख्या में लोगों ने सुना। भाजपा ने अपने राजनैतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए साधुओं का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया और सरकारी खर्च पर प्रचार हासिल किया।

ऐसे ही एक भगवाधारी ने काशी और मथुरा की मंदिर संबंधी मांगों को दुहराते हुए दावा किया कि ऐसे 1,860 मंदिरों की पहचान की गई है जिन्हें वापिस लिया जाना है। मदरसों को बंद करने और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को गुरूकुल में बदलने की मांग भी उठाई गई ताकि भारत को हिन्दूमय बनाया जा सके। सन 2004 में प्रकाशित एक पुस्तक, जिसके लेखक इरफान इंजीनियर और नेहा दाभाड़े हैं, में यह बताया गया है कि कैसे धार्मिक आयोजनों का इस्तेमाल हिंसा भड़काने के लिए किया जाता है। हमारे उत्सव, धर्मों की सीमाओं के परे सामाजिक अवसर होते हैं। हालिया प्रवृत्ति यह हो गई है कि हिंदुओं के पर्वों पर जुलूस निकाले जाते हैं, जो मुस्लिम इलाकों से गुज ?ते हैं और इस दौरान मस्जिदों पर लहरा रहे हरे झंडों को हटाकर भगवा झंडे लगा दिए जाते हैं और नंगी तलवारें हाथ में लेकर नृत्य किया जाता है। इसके साथ ही मुसलमानों के प्रति नफरती नारे लगाए जाते हैं। इस पुस्तक में दोनों लेखकों ने बताया है कि 2022-2023 में रामनवमी के त्यौहार के दौरान यह खासतौर से किया गया। इस पुस्तक में हावड़ा, हुगली, संभाजी नगर, वडोदरा, बिहारशरीफ और सासाराम में सन 2023 में और हिम्मत नगर, खंभात और लौहारदग्गा में 2022 में हुई हिंसा का विवरण दिया गया है।

निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए इंजीनियर लिखते हैं, 'हिंदू राष्ट्रवादियों का एक छोटा सा समूह भी धार्मिक जुलूस होने का दावा करते हुए अल्पसंख्यकों की बस्तियों से जाने की जिद कर सकता है। राजनैतिक और गाली-गलौज भरे नारे लगाकर और हिंसक गाने और संगीत बजाकर वह कोशिश करता है कि वहां के निवासी युवक भड़क जाएं और उन पर एकाध पत्थर फेकें। इसके आगे का काम सरकार करती है- बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को गिरफ्तार करना और उनके मकानों और संपत्तियों को कुछ ही दिनों में, बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के, ढहा देना।

एक अन्य स्तर पर इस दक्षिणपंथी राजनीति ने आदिवासी इलाकों में देवी शबरी और भगवान हनुमान को स्थापित एवं प्रचारित-प्रसारित किया है। पिछले तीन दशकों में इन इलाकों में जैसे-जैसे ईसाई-विरोधी हिंसा बढ़ी, यहां आरएसएस से संबद्व वनवासी कल्याण आश्रम और विश्व हिन्दू परिषद ने शबरी से जुड़ी सघन गतिविधियां शुरू कर दीं गुजरात में डांग के पास शबरी कुंभ का आयोजन किया गया। इसी इलाके में एक शबरी मंदिर का निर्माण भी किया गया। उस समय विश्व हिन्दू परिषद के स्वामी असीमानंद इस क्षेत्र में सक्रिय थे। इन पर ही बाद में महाराष्ट्र एटीएस ने मालेगांव, अजमेर और मक्का मस्जिद में हुए बम विस्फोटों की साजिश से जुड़े होने का आरोप लगाया था।

आखिर इन इलाकों में प्रचार-प्रसार के लिए शबरी और हनुमान को ही क्यों चुना गया? शबरी एक गरीब महिला थी जिसके पास अपने भगवान (राम) को खिलाने के लिए पर्याप्त खाना नहीं था। इसलिए उसने राम को बेर खिलाए और उन्हें खिलाने के पहले, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे मीठे हों, उन्हें स्वयं चखा। जहां शहरी इलाकों में दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती की पूजा की जाती है, वहीं आदिवासी इलाकों के लिए शबरी हैं। इसी प्रकार आदिवासी इलाकों में भगवान राम के भक्त एवं सेवक भगवान हनुमान का प्रचार-प्रसार किया जाता है। यह काफी दिलचस्प है!

हिन्दुत्ववादी राजनीति का हमारे उत्सवों पर पड़ा प्रभाव उस राजनीति के बारे में बहुत कुछ कहता है। जिस प्रकार इनमें से कुछ त्योहारों को हथियार बना लिया गया है, यह शर्मनाक है। कुंभ मेले का इस्तेमाल जिस तरह मुस्लिम विरोधी बातें कहने के लिए किया गया है, या जिस तरह हनुमान और शबरी को आदिवासी इलाकों में प्रचारित किया जा रहा है।

प्रदीप तायल बने लोहारू नगर पालिका के चेयरमैन, होली से एक दिन पहले लोहारू में उड़ा रंग गुलाल

कांटे के मुकाबले में प्रदीप तायल ने राम भगत सोलंकी को 43 वोट से हराया-सबसे छोटी एक वोट की जीत वार्ड 13 से अजय शर्मा तो सबसे बड़ी 185 वोट की जीत वार्ड 11 से पूजा सैनी के नाम

अमित वालिया,लोहारू

लोहारू नगर पालिका चुनाव के लिए गत 2 मार्च को हुए मतदान के बाद बुधवार को स्थानीय राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में नगर के चेयरमैन व 13 वार्डो के पार्षदों के चयन के लिए मतगणना की गई। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना के कुछ समय बाद ही नगर पार्षदों के परिणाम घोषित किए गए। चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही नगर के विभिन्न वार्डो से नवनिर्वाचित पार्षद रंग गुलाल व डीजे के साथ जश्न मनाते नजर आए वहीं हारे हुए उम्मीदवार मायूस दिखाई दिए। चुनाव परिणामों के साथ ही जीते हुए उम्मीदवारों ने होली से एक दिन पहले ही रंग गुलाल लगाकर जीत के जश्न के साथ होली पर्व मनाया। नगर के चेयरमैन पद के लिए कांटे की टक्कर देखने को मिली तथा कड़े मुकाबले में प्रदीप तायल उर्फ बंटी तायल ने 1459 वोट हासिल कर 43 वोट से शानदार जीत दर्ज की जबकि उनके प्रतिद्वंदी रामभगत सोलंकी को 1416 वोट हासिल हुए। तीसरे स्थान पर सुभाष सैनी ने 1034 मत हासिल किए। चेयरमैन पद के लिए सबसे कम वोट राम सिंह कटारिया को 42 वोट मिले। नगर पार्षद के लिए वार्ड नंबर 13 में काफी कांटे का मुकाबला रहा तथा यहां से अजय शर्मा ने 1 वोट से जीत हासिल की जो सबसे कम अंतर रहा। सबसे अधिक वोट की जीत वार्ड नंबर 11 से पूजा सैनी के नाम रही जिन्होंने 185 वोट से जीत हासिल की। चुनाव में चेयरमैन पद के लिए नोटा पर 79 वोट मिले जबकि वार्डो में भी नोटा को 151 वोट मिले।

यह रहा 14 वार्ड के पार्षदों का परिणाम

वहीं नगर के वार्ड नंबर एक से पूजा ने अपने प्रतिद्वंदी ममता को 57 वोट से, वार्ड नंबर दो से सुनील सोलंकी ने रमन को 181 वोट, वार्ड नंबर तीन से राजेश कुमार सैनी ने अपने प्रतिद्वंदी सुरेंद्र कुमार को 93 वोट से हराकर वार्ड की चौधर पर कब्जा किया। वार्ड नंबर चार का चुनाव पहले ही निर्विरोध हो चुका था तथा यहां से महेश कुमार गांधी निर्विरोध चुने जा चुके है। इसी प्रकार वार्ड नंबर पांच से संजू कुमारी ने किरण कुमारी को 14 वोट, वार्ड नंबर 6 से प्रीति ने मोना देवी को 34, वार्ड नंबर सात से अशोक कुमार सैनी ने सुमेर सिंह को कांटे के मुकाबले में 9 वोट से हराया। वार्ड नंबर 8 से संतलाल ने ममता बाई को 77 वोट से, वार्ड नंबर 9 में रवि अग्रवाल ने चेतन गोयल को 79 वोट से, वार्ड नंबर 10 से जय सिंह ने संदीप को 152 वोट से हराया। वहीं वार्ड नंबर 11 से पूजा सैनी ने रूबी शर्मा को 185 वोट से, वार्ड नंबर 12 से दिव्या सैनी ने ज्योति सैनी को 115 वोट से शिकस्त दी। वार्ड नंबर 13 में कांटे की टक्कर देखने को मिली, यहां से अजय शर्मा ने कड़े मुकाबले में सुशील सैनी को 1 वोट से हराया। वार्ड नंबर 14 में अंतर सिंह ने वीर सिंह को 17 वोट से हराकर जीत हासिल की।

चेयरमैन पद के उम्मीदवारों को मिले वोट

चेयरमैन पद के लिए प्रदीप तायल को 1459, राम भगत सोलंकी को 1416, सुभाष सैनी को 1034, पवन कुमार को 1026, देवी सिंह सोनी को 1019, सुभाषचंद्र सैनी को 849, राजकुमार महेंद्रगढिया को 551, प्रदीप सैनी को 303, रजत खुराना को 232, महेश को 146, संजय कुमार खंडेलवाल को 128, सुरेश सिंह को 126, कमल किशोर को 115, महेंद्र सिंह को 109, रामप्रकाश को 91, मंजीत को 57, राम सिंह कटारिया को 42 वोट मिले।

भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को मिली जीत

लोहारू नगरपालिका चुनाव हालांकि भाजपा व कांग्रेस ने सिंबल पर नहीं लड़ा। यहां से केवल आम आदमी पार्टी के सुरेश सिंह पार्टी सिंबल पर चेयरमैन का चुनाव लड़े तथा उन्हें 126 वोट मिले। चेयरमैन पद पर प्रदीप उर्फ बंटी तायल ने जीत की पताका फहराई तथा वे भाजपा के समर्थक है। इसी प्रकार नगर के 14 वार्ड पार्षदों में से 9 पार्षद भाजपा समर्थक है। नपा चुनाव में चेयरमैन के लिए कुल 17 उम्मीदवार मैदान में थे जिनमें तीन उम्मीदवारों को 100 से कम वोट मिले वहीं दो उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले।

चेयरमैन पद के लिए 10 उम्मीदवारों की जमानत हुई जब्त

इस बार नगर पालिका चुनाव में कुल 11075 मतदाता थे जिसमें से 8782 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इसलिए एक प्रत्याशी को जमानत के लिए डाले गए मत में से कुल 6 प्रतिशत वोट लेने थे इस प्रकार जमानत बचाने के लिए प्रत्याशी को कुल 527 वोट प्राप्त करने थे। ऐसे में कुल 17 उम्मीदवारों में से दस उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। इसमें प्रदीप सैनी, रजत खुराना, महेश गांधी, संजय खंडेलवाल, सुरेश सिंह, कमल किशोर, महेंद्र सैनी, रामप्रकाश, मंजीत व रामसिंह कटारिया शामिल हैं। इसमें से कुछ ऐसे उम्मीदवार भी हैं जिन्होंने समाज सेवा में बड़ा नाम कमा रखा है परंतु लोहारू की जनता ने इनको जमानत बचाने के काबिल भी नहीं छोड़ा।

एसडीएम मनोज दलाल ने जताया आभार

एसडीएम एवं लोहारू नगर पालिका के रिटर्निंग अधिकारी मनोज दलाल ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने पर चुनाव व मतगणना ड्यूटी में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ सभी उम्मीदवारों का आभार जताया। इस दौरान पुलिस ऑब्जर्वर सुमेर सिंह तथा डीएसपी भारत भूषण मतगणना के दौरान मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री जेपी दलाल के आवास पर पहुंचे नवनिर्वाचित चेयरमैन

नपा चेयरमैन का चुनाव जीतने के बाद प्रदीप तायल ने नगर में विजयी जुलूस निकाला तथा इसके बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल के आवास पर पहुंचे। इस दौरान वहां मौजूद मौजूद पूर्व मंत्री के कार्यालय सचिव बलवान जांगड़ा ने नवनिर्वाचित चेयरमैन को मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया।

नालसा स्कीम बारे दी जानकारी

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। जिला एवं सत्र न्यायधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र के सीजेएम एवं सचिव नितिन राज द्वारा कुरुक्षेत्र जिले में जागरूकता शिविर चलाए जा रहे है। इसके तहत पैनल अधिवक्ता तुषार सैनी, पीएलवी अमनप्रीत द्वारा डोडाखेडी, गामडी. जाटान में लोगों को बच्चों के लिए नालसा स्कीम, मानसिक रोगियों और दिव्यांग व्यक्ति के लिए नालसा स्कीम , विक्टिम केयर एंड स्पोर्ट सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ साथ उन्हें डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली मुफ्त कानूनी सहायता व नालसा टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई।

एक वोट से चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार अजय शर्मा खुद नहीं डाल पाए अपना वोट

चुनाव में भी की अनूठी पहल, नहीं बांटी शराब, चुनाव से ज्यादा श्याम पद यात्रियों की सेवा व धार्मिक कार्यक्रमों में रहे व्यस्त

अमित वालिया,लोहारू

लोहारू नगर पालिका चुनाव में सबसे अधिक चौंकाने वाली जीत अजय शर्मा ने वार्ड नंबर 13 से पार्षद के लिए हासिल की है। अजय शर्मा वे अपने वार्ड से मात्र एक वोट से जीत हासिल की तथा खास बात यह रही कि वे मतदान के दौरान अपने समर्थकों के वोट डलवाने में इतने व्यस्त रहे कि वे अपना खुद का वोट भी नहीं डाल पाए। अजय शर्मा की पहचान श्याम प्रेमी के रूप में है तथा अपने चुनाव के दौरान भी वे खुद के चुनाव से ज्यादा खाटू श्याम जाने वाले पैदल यात्रियों की सेवा व श्री श्याम सुंदर ज्योति मंडल द्वारा फाल्गुन माह में आयोजित की जाने वाली 21 रात्रि सांवरिया के नाम रात्रि जागरण कार्यक्रमों में ही सक्रिय रहे। वहीं अजय शर्मा को चुनाव चिन्ह के रूप में भी तीर कमान का निशान मिला था जो बाबा श्याम के बाण के रूप में जाना जाता है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान श्याम बाबा के भजनों को ही माध्यम बनाया। श्याम प्रेमी होने के चलते उन्होंने पूरे चुनाव में शराब से भी परहेज रखा तथा मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव में प्रयोग किए जाने वाली शराब के प्रयोग से दूरी बनाए रखी। ऐसे में अजय शर्मा की इस अनूठी पहल की भी चर्चा हुई। उन्होंने अपने चुनाव में शराब जैसी बुराई को अपनाने से बिल्कुल मना कर दिया था। उनका कहना था कि वह चुनाव में वोटरों को शराब नहीं परोसेगा चाहे उसे कोई वोट दे या ना दे, जो इस नगर पालिका चुनाव में एक मिसाल बन गई है। वहीं उन्होंने अपने मत का भी प्रयोग नहीं किया। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान वे घर-घर से वोटरों को मतदान करने की अपील में लगे हुए थे परंतु इस प्रक्रिया में उनका वोट पोल नहीं हो पाया जिसका उनको मलाल भी है परंतु खुशी इस बात की है कि वार्ड नंबर 13 की जनता ने उन पर विश्वास जताया और एक वोट से जीत दिलाने का काम किया है।

कुवि के 6 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि के पात्र घोषित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर 6 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किए गए शोधार्थियों में मैनेजमेंट से शिवानी, विधि से श्वेता, माइक्रोबायोलॉजी से कीर्ति यादव, केमिस्ट्री से रमन लाखिया, फिजिक्स से रितु जांगड़ा तथा लोक प्रशासन विभाग से विकास कुमार शामिल है।

राजधानी फूड्स लेकर आया है होली सेलिब्रेशन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रोहतक, 12 मार्च। होली सिर्फ.रंगों का त्योहार नहीं है, यह स्वाद, हंसी और उन परंपराओं का संगम है जो परिवारों को करीब लाती हैं। राजधानी फूड्स इस होली को और भी खास बना रहा है साल की सबसे अनोखी और स्वाद से भरपूर साझेदारी के साथ जहां बॉलीवुड के सुपरस्टार करण जौहर और जेन जेड की फेवरेट अनन्या पांडे मिलकर बना रहे हैं एक ऐसा कैंपेन, जो होगा उतना ही स्वादिष्ट जितना कि एक परफेक्ट पकोड़ा। जैसे-जैसे होली नजदीक आती है, हर घर का किचन रंग-बिरंगे पकवानों की खुशबू से भर जाता है। लेकिन अगर कोई एक डिश है जो हर भारतीय परिवार को जोड़ती है, तो वह है पकोड़ेकृगर्मागर्म, कुरकुरे और यादों से भरपूर। फिर चाहे रंगों की मस्ती के बाद ठंडाई के साथ हों या परिवार के साथ खास स्नैक के तौर पर, एकदम सही बेसन ही असली स्वाद का राज होता है। और राजधानी बेसन दशकों से पकोड़ों के इस परफेक्ट क्रंच का राज बना हुआ है।

1966 से, राजधानी फूड्स भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा रहा है, जो अपने बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पादों से त्योहारों के स्वाद को और खास बनाता आया है। फिर चाहे वह कुरकुरे पकोड़े हों, मुँह में घुल जाने वाले बेसन के लड्डू, या फिर सत्तू और मखाने की पौष्टिकताकृराजधानी का हर उत्पाद स्वाद और सेहत का संगम है।

राजधानी फूड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर चेतन जैन ने कहा कि कि होली एक ऐसा त्योहार है जो हमें एक साथ लाता है खाने, हंसी और खुशियों के माध्यम से। करण जौहर और अनन्या पांडे के साथ इस बार हम होली के जश्न को और भी मजेदार, रंगीन और लाजवाब बना रहे हैं! यह कैंपेन उन स्वादों को समर्पित है, जो हमारी परंपराओं और पीढ़ियों को जोड़ते हैं। जरा सोचिए करण जौहर एक फिल्म सीन डायरेक्ट कर रहे हैं, तभी भूख लगती है। वह शूटिंग रोकने का ऐलान करते हैंकृलेकिन सिर्फ.तब, जब उन्हें पकोड़े मिलें! अनन्या तुरंत चुटकी लेते हुए कहती हैं, पर बारिश कहां है? पकोड़े का असली मजा तो बारिश में ही आता है! और फिर करण अपने क्लासिक अंदाज में सेट पर ही नकली बारिश करवा देते हैं। नतीजा? दोनों मिलकर राजधनी बेसन से बने गरमा-गरम, कुरकुरे पकोड़ों का आनंद लेते हैं, यह साबित करते हुए कि होली हो या कोई भी त्योहार, एकदम क्रिस्पी पकोड़ों का कोई मुकाबला नहीं!

भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पोपली बने हिसार के मेयर

कांग्रेस 64 हजार से ज्यादा वोटों से हारी, 20 वार्डों में 17 पर भाजपा, 2 निर्दलीय, 1 सीट कांग्रेस ने जीती

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 12 मार्च। हिसार नगर निगम के चुनावों की मतगणना पूरी होते ही भाजपा के पोपली हिसार के नए मेयर बन गए हैं। हिसार निकाय चुनाव के पूरी तरह नतीजे आने से पहले ही जीत की खुशी में भाजपा से मेयर प्रत्याशी प्रवीण पोपली को कंधे पर बिठाकर जुलूस निकाला गया।

हिसार नगर निगम में भाजपा ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल की है। बुधवार को हुई मतगणना में भाजपा के उम्मीदवार प्रवीण पोपली ने कांग्रेस के कृष्ण टीटू सिंगला को 64 हजार 456 वोटों से हरा दिया। इस मेयर चुनाव में भाजपा के प्रवीण पोपली को 96 हजार 396 और कांग्रेस के कृष्ण सिंगला को 31 हजार 873 वोट इस मेयर चुनाव में भाजपा के प्रवीण पोपली को 96 हजार 396 और कांग्रेस के कृष्ण सिंगला को 31 हजार 873 वोट मिले। मेयर चुनाव में 6 उम्मीदवार थे। जिनमें तीसरे नंबर पर 2971 वोटों के साथ निर्दलीय सुरेंद्र कुमार रहे। चौथे नंबर पर नोटा को 2012 वोट मिले। इसके अलावा निर्दलीय दर्शन को 1892, सुरेंद्र भोरिया को 1665, होशियार सिंह को 1285, गुरप्रीत सिंह को 1848 और मीरा लोट को महज 1892 वोट मिले। वहीं वार्ड पार्षदों के चुनाव में भाजपा ने 20 में से 17 वार्डों पर जीत हासिल की। 2 वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीते जबकि कांग्रेस एक ही वार्ड से पार्षद का चुनाव जीत पाई।

हिसार नगर निगम चुनाव 2025 की मतगणना बुधवार सुबह 8 बजे महाबीर स्टेडियम स्थित जिम्नेजियम हॉल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। मतगणना केंद्र पर चुनाव पर्यवेक्षक प्रभजोत सिंह, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। मतगणना के दौरान कड़ी निगरानी रखी गई, जिसमें सीसीटीवी कैमरों और सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित की गई थी। परिणाम घोषित होने तक माहौल शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित बना रहा।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव ने मतगणना स्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए। मतगणना केंद्र पर सुरक्षा बलों की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी और आने-जाने वाले व्यक्तियों की सख्त जांच की व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने मतगणना कर्मियों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयार रहने की बात कही। जिला निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई।

हिसार नगर निगम के रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मेयर पद पर भाजपा प्रत्याशी प्रवीन पोपली ने 96 हजार 329 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 64 हजार 456 वोटों के अंतर से हराया। वार्ड 1 से सरोज जैन धर्मपत्नी अनिल जैन टीनू ने 3618 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, वहीं मोहित नरेश सिंगल ने वार्ड 2 में 1184 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड 3 में ज्योति वर्मा ने 2883 वोटों से और वार्ड 4 में हरि सिंह सैनी सांखला ने 2223 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। भीम महाजन ने वार्ड 5 में 2311 वोटों से जीतकर जीत का परचम लहराया। वार्ड 6 में निर्दलीय प्रत्याशी उषा ने 75 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। मनोहर लाल वर्मा ने वार्ड 7 में 2309 वोटों और रवि सैनी जमालपुरिया ने वार्ड 8 में 2792 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। वार्ड 9 में शीला देवी जय प्रकाश ने 3449 वोटों से जीत हासिल की, जबकि वार्ड 10 में साक्षी बीजड शर्मा ने 14 वोटों से जीत दर्ज की। इसी प्रकार नरेश ग्रेवाल ने वार्ड 11 में 1631 वोटों से, जगमोहन मित्तल ने वार्ड 12 में 2660 वोटों से और संजय कुमार डालमिया ने वार्ड 13 में 990 वोटों से जीत दर्ज की। डॉ सुमन यादव ने वार्ड 14 में 558 वोटों से और संतोष सैनी ने वार्ड 15 में 2431 वोटों से जीत हुई। वार्ड 16 से राजेंद्र बिडलान ने 741 वोटों, वार्ड 17 से राजेश अरोड़ा ने 1226 वोटों और वार्ड 18 से गुलाब सिंह ने 781 वोटों से, सत्यवान पानू ने वार्ड 19 से 88 वोटों के अंतर से तथा वार्ड 20 में नवीन कुमार छोटू ने 917 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह ने चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए ड्यूटी पर तैनात स्टाफ का आभार प्रकट किया।

जनता ने भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार पर लगाई मुहर : अनिल मानी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी मानी ने कहा कि निकाय चुनाव में प्रदेश की जनता ने भाजपा को प्रचंड जीत दिलाकर ट्रिपल इंजन सरकार पर मुहर लगा दी है। हिसार की जनता ने विकास के लिए भाजपा पर विश्वास जताने का काम किया है। वहीं जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है। इससे साफ हो गया कि प्रदेश की जनता को अब कांग्रेस पर कोई भरोसा नहीं है। प्रदेश की जनता को अब केवल भाजपा और मुख्यमंत्री नायब सिंह की गारंटियों पर विश्वास है। अनिल मानी ने कहा कि हिसार की जनता ने भाजपा मेयर प्रत्याशी प्रवीण पोपली को ऐतिहासिक जीत दिलाने का काम किया है। वहीं पहली बार भाजपा के अधिकतर पार्षद प्रत्याशी विजयी हुए हैं। इससे साफ कि हिसार की जनता में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है। भाजपा हिसार की जनता को निराश नहीं करेगी और नवनिर्वाचित मेयर प्रवीण पोपली के नेतृत्व में हिसार के विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए हिसार की जनता का आभार व्यक्त किया है।

नगर परिषद थानेसर में भाजपा प्रत्याशी माफी देवी को मिली 32,577 वोटों से जीत

रिटर्निंग अधिकारी सतेन्द्र सिवाच ने माफी देवी और 30 वार्ड पार्षदों को दिए प्रमाण पत्ररिटर्निंग अधिकारी सतेन्द्र सिवाच ने माफी देवी और 30 वार्ड पार्षदों को दिए प्रमाण पत्र

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। नगरपरिषद थानेसर आम चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि नगर परिषद थानेसर आम चुनाव 2025 मतगणना का कार्य कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इस नगर परिषद थानेसर में चेयरपर्सन पद पर भाजपा प्रत्याशी माफी देवी को 32577 वोट से जीत हासिल हुई है। आरओ सतेन्द्र सिवाच बुधवार को अग्रसेन पब्लिक स्कूल सेक्टर 13 मतगणना केन्द्र में जीते हुए प्रत्याशियों की घोषणा कर रहे थे। इसके उपरांत आरओ सतेन्द्र सिवाच ने नगर परिषद थानेसर की चेयरपर्सन पद पर विजय प्राप्त करने वाली भाजपा प्रत्याशी माफी देवी और 30 पार्षदों को प्रमाण पत्र दिए। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, भाजपा के प्रदेश संगठन सचिव राहुल राणा, पूर्व नप अध्यक्षा उमा सुधा, भाजपा नेता साहिल सुधा, मलकीत ढांडा भी मौजूद थे। सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि नगर परिषद थानेसर में चेयरपर्सन पद के लिए भाजपा प्रत्याशी माफी देवी को 32577 मतों से जीत हासिल हुई है। इस प्रत्याशी को 69350 मतों में से 47828 मत मिले है। इस प्रकार चेयरपर्सन पद के लिए प्रत्याशी राजबाला को 1840, रुकमणी वाल्मीकि को 2868, कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता कुमारी को 15251, रतन कौर को 655, नोटा को 908 वोट मिले है। वार्ड 1 में गौरव कुमार को 275 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2203 वोटों में से गौरव कुमार को 1140 वोट, आकाश भट्ट को 865, कुलविन्द्र को 178, नोटा को 20 वोट, वार्ड 2 में प्रवीण शर्मा को 2039 वोटो से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2693 वोटों में से प्रवीण शर्मा को 2338, निशा को 299, नीलम रानी को 17, संजना को 17 और नोटा को 22 वोट मिले है, वार्ड 3 में सिमरन को 355 वोट से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 1729 वोटों में से सिमरन को 824, आरजू को 469, राज रानी को 412, नोटा को 24 वोट मिले है, वार्ड 4 में कमल किशोर को 333 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2410 मतों में से कमल किशोर को 1022, नरेश कुमार को 689, धन सिंह को 671, नोटा को 28 वोट मिले है। उन्होंने कहा कि वार्ड 5 में संदीप कोहली को 186 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2088 वोटों में से संदीप कोहली को 986, विवेक भारद्वाज को 800, निश्चल दीप को 293, नोटा को 9 वोट मिले है, वार्ड 6 में ज्योति को 963 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 1715 वोटों में से ज्योति को 1331, मनीषा को 368 और नोटा को 16 वोट मिले है, वार्ड 8 में सतीश कुमार गर्ग को 1027 वोटों से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 1566 वोटों में से सतीश कुमार गर्ग को 1285, जगत सिंह को 258, नोटा को 23 वोट मिले है, वार्ड 9 में मानक सिंह 12 वोटों से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 2235 वोटों में से मानक सिंह को 1063, दीपक कुमार को 1051, शुभम को 113 और नोटा को 8 वोट मिले है। आरओ ने कहा कि वार्ड 10 में पंकज खन्ना को 207 वोट से विजय प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 1983 वोटों में से पंकज खन्ना को 821, निर्मल सिंह को 614, रविन्द्र कुमार को 436, सतनाम सिंह को 102, नोटा को 10 वोट मिले है, वार्ड 11 में सुषमा मेहता को 554 वोट से जीत मिली है, इस वार्ड में कुल 2170 में से सुषमा मेहता को 1352, विभा शर्मा को 798, नोटा को 20 वोट मिले है, वार्ड 12 में राजेन्द्र कुमार को 564 वोट से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 2546 वोटों में से राजेन्द्र कुमार को 1364 वोट, दरबारा सिंह को 800, नरेश कुमार को 132, सतबीर सिंह को 240, नोटा को 10 वोट मिले है, वार्ड 13 में दुष्यंत हरयाल को 1118 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2449 वोटों में से दुष्यंत हरयाल को 1331, जयभगवान को 604, महेन्द्र सिंह मलिक को 126, रविन्द्र कुमार को 377, नोटा को 11 वोट मिले है। आरओ सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि वार्ड 14 में बक्शीश कौर को 660 वोट से जीत प्राप्त हुई है। इस वार्ड में कुल 1644 वोटों में से बक्शीश कौर को 1146, शारदा कुमारी को 486, नोटा को 12 वोट मिले है, वार्ड 15 में मोहन लाल अरोड़ा को 1142 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2181 वोटों में से मोहन लाल अरोड़ा को 1653, आशु गाबा को 511, नोटा को 17 वोट मिले है, वार्ड 16 में गुरप्रीत कौर को 149 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2552 वोट है, जिसमें सरिता देवी को 1093, गुरप्रीत कौर को 1242, रतन कौर को 194, नोटा को 23 वोट मिले है, वार्ड 17 में प्रेम नारायण अवस्थी को 314 वोट से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 1851 वोटों में से प्रेम नारायण अवस्थी को 1076, कुलदीप कुमार को 762, नोटा को 13 वोट मिले है। उन्होंने कहा कि वार्ड 18 में अनिरुद्ध कौशिक को 326 वोटों से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 2858 वोटों में से श्याम लाल को 1249, अनिरुद्ध कौशिक को 1575, नोटा को 34 वोट मिले है, वार्ड 19 में मुकंद लाल को 431 वोटों से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में 2255 वोटों में से मुकंद लाल को 1149, राजेश कुमार को 718, हुलास सतीजा को 378, नोटा को 10 वोट मिले है, वार्ड 20 में मनिन्द्र सिंह को 1054 वोटों से जीत हासिल हुई है इस वार्ड में कुल 2265 वोटों में से मनिन्द्र सिंह को 1654, महेश कुमार को 600, नोटा को 11 वोट मिले है, वार्ड 21 में नेहा गुप्ता को 158 वोट से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 2247 में से एकता गोयल सीकरी को 1033, नेहा गुप्ता को 1191, नोटा को 23 वोट मिले है, वार्ड 22 में चेतन को 461 वोट से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 1504 में से चेतन को 802, ओम प्रकाश को 341, मनिन्द्र सिंह को 326, नोटा को 35 वोट मिले है। उन्होंने कहा कि वार्ड 23 में परमवीर सिंह प्रिंस को 177 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 1983 वोटों में से गुरजीत सिंह सैनी को 888, परमवीर सिंह प्रिंस को 1065 और नोटा को 30 वोट मिले है, वार्ड 24 में पूजा को 708 वोट से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 2048 वोटों में से पूजा को 1367, जीवन ज्योति शर्मा को 659 और नोटा को 22 वोट मिले है,वार्ड 25 में आशु बाला को 380 वोट से जीत हासिल हुई, इस वार्ड में कुल 2367 वोटों में से आशु बाला को 1159 नीतू रानी को 779, रेखा को 28, रेशमा रानी को 388, नोटा को 13 वोट मिले है, वार्ड 26 में प्रिया रानी को 143 वोट से जीत प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 1787 मतों में से प्रिया रानी को 773, गीता रानी को 225, चेतना को 151, संतोष देवी को 630, नोटा को 8 वोट मिले है। आरओ सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि वार्ड 27 में धनराज को 602 वोटों से विजय प्राप्त हुई है, इस वार्ड में कुल 1904 वोटों में से धनराज को 1073, पृथ्वीराज को 196, रविन्द्र भट्टी को 471, हेमचंद्र को 153, नोटा को 11 वोट मिले है, वार्ड 28 में रेखा को 570 वोट से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में 2442 वोटों में से रेखा को 1110, डा. दीक्षा गर्ग को 76, पूजा दहिया को 169, विजय लक्ष्मी को 516, विजय लक्ष्मी 10, सीमा देवी 540, सीमा रानी 15, नोटा को 6 वोट मिले है, वार्ड 29 में मनु जैन को 177 वोटों से जीत हासिल हुई है, इस वार्ड में कुल 2837 वोटों में से राम राज को 1320, मनु जैन को 1497 नोटा को 20 वोट मिले है, वार्ड 30 में नरेन्द्र कुमार को 96 वोटों से जीत मिली है, इस वार्ड में 2574 वोटों में से वेद प्रकाश को 1217, नरेन्द्र कुमार को 1313, राजेन्द्र कुमार को 31 और नोटा को 13 वोट मिले है,वार्ड 31 में कवि राज को 764 वोटों से जीत मिली है, इस वार्ड में कुल 3283 वोटों में से कवि राज को 1901, गौरव शर्मा को 1137, ममता रानी को 234 वोट और नोटा को 11 वोट मिले है।

इस्माईलाबाद में प्रधान पद के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मेघा बंसल जीती : विरेन्द्र चौधरी

इस्माईलाबाद प्रधान पद उपचुनाव के रिटर्निंग अधिकारी एवं एमडी शुगर मिल विरेन्द्र चौधरी ने कहा कि इस्माईलाबाद नगरपालिका के प्रधान पद के उपचुनाव के लिए मतों की गणना का कार्य शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ है। इस नगरपालिका के प्रधान पद के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मेघा बंसल को 311 वोट से जीत मिली है। आरओ एवं एमडी शुगर मिल विरेन्द्र चौधरी ने कहा कि इस्माईलाबाद प्रधान पद के उपचुनाव में मेघा बंसल को 2766, एकता को 136, दीपशिखा को 2455, निशा रानी को 432, हरजीत गोतरा को 910 वोट प्राप्त हुए है। इस उप चुनाव में 6841 मतों की गणना की गई है। इस प्रकार प्रधान पद के उपचुनाव में मेघा बसंल को 311 वोट से विजय मिली है।

शास्त्रों में ब्रह्म विवाह को बताया है श्रेष्ठ : अनिल शास्त्री

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। श्री गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सेक्टर 29 जिंदल ग्लोबल सिटी में चल रही श्रीमद भागवत कथा में भागवत प्रवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री ने उपस्थित श्रोताओं को बताया कि विदर्भ राज्य के राजा भीष्मक के एक पुत्र और एक पुत्री थी। पुत्र का नाम रुक्मी और पुत्री का नाम रुक्मिणी था। कथावाचक अनिल शास्त्री ने बताया राजा भीष्मक अपनी पुत्री से बहुत प्रेम करते थे और उनके विवाह के लिए योग्य वर की तलाश में थे। इस विषय में राजा भीष्मक के सबसे करीबी मित्र एवं महाभारत कालीन मगध राज्य के नरेश जरासंध को भी पता था। जरासंध को उस वक्त का शक्तिशाली राजा माना जाता था और ऐसा भी कहा जाता था कि जरासंध का वध कोई नहीं कर सकता है। जरासंध देवी रुक्मिणी को अपनी पुत्री जैसा ही मानते थे और इसलिए वह खुद भी रुक्मिणी के लिए योग्य वर की तलाश में थे। मगर रुक्मिणी के मन में शुरू से ही भगवान श्रीकृष्ण की छवि बसी हुई थी। बड़े-बड़े महारथी को परास्त करने वाले श्रीकृष्ण की कथा रुक्मिणी कई लोगों के मुंह से सुन चुकी थीं। देवी रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण के विषय में सुनकर ही यह तय कर लिया था कि वह उन्हीं से विवाह करेंगी। आरती में आचार्य रंगनाथ शास्त्री, प्रधान मनमोहन छतवाल, पवन छाबड़ा, सुरेंद्र मनीयानी, डॉ. अश्विनी मित्तल, डॉ.रजनीश शर्मा, डॉ. मंजू बाला शर्मा,पंडित विजय शर्मा,सार्थक शर्मा, सरोज बाला शर्मा, डॉ बलभद्र कौशिक, ललित चुटानी, बलराज शर्मा, ऋषि शर्मा, कवर जीत सिंह, राजेश्वर शर्मा, महेंद्र सिंह, रजनी छतवाल, अल्का, सिजा, अर्चना, मीनाक्षी, निर्मला, रजनी शर्मा, रीना चौधरी, रमेश एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला परिषद की 124वीं बैठक का 25 को : कंवलजीत कौर

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर ने बताया कि जिला परिषद की 124वीं बैठक का आयोजन पंचायत भवन के सभागार में 25 मार्च को सुबह 10:30 बजे होगा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी इस बैठक में समय पर पहुंचे, ताकि बैठक की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाते हुए सभी आवश्यक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जा सके।

आईटीआई में आयोजित जॉब मेला में 20 छात्रों का चयन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 12 मार्च। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आज जॉब मेला का आयोजन किया। जॉब मेला में यूनो मिण्डा मानेसर कम्पनी के प्रतिनिधियों ने 20 छात्रों का चयन किया।
प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि हरियाणा कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी दिशा निदेर्शानुसार समय-समय पर संस्थान में जॉब मेले का आयोजन किया जाता रहता है।
इस अवसर पर संस्थान के आईएमसी सोसायटी के चेयरमैन सुरेश चौधरी, शिक्षुता एवं प्लेसमेन्ट अधिकारी सुदर्शन, अधीक्षक सत्यनारायण सिंह, वर्ग अनुदेशक सुनील यादव, विरेन्द्र सेकवाल, अमित रंगा, मुकेश रघुनाथपुरा, अशोक गिल, नीरज मनीष, निधि यादव अनुदेशक, योगेश, सुभाष चन्द तथा तनूज, राकेश सत्यवीर प्रशिक्षु आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

10 मई को होगा दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 12 मार्च। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण(डीएलएसए) के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रमोद गोयल के नेतृत्व में 10 मई को वर्ष 2025 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर के अलावा गोहाना, गनौर, खरखौदा न्यायिक परिसर में आपसी सहमति से कसों का निपटारा किया जाएगा।
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय में लंबित फौजदारी समाधेय, चेक बाउंस केस (धारा 138 एक्ट के मामले), बिजली और पानी के बिल मामले, अन्य दीवानी मामले, ट्रैफिक चालान, मोटर व्हीकल दुर्घटनाग्रस्त मामलों समेत अन्य विभिन्न लंबित वर्गो के मामलों का निपटारा किया जायेगा। इसलिए जिन व्यक्तियों के केस न्यायालय में लंबित है वे संबंधित न्यायालय में जाकर अपने केसों को प्री लोक अदालत या 10 मई को आयोजित दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में लगवाकर उनका निपटारा करवाएं और ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

अग्निपथ योजना 2025-26 के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 12 मार्च। अग्निपथ योजना के तहत महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी व भिवानी जिला के युवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं।अग्निवीर अभ्यर्थी अपनी पात्रता के आधार पर किसी भी दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। दो श्रेणियों के फॉर्म अलग अलग भरने होंगे।
ऑनलाइन परीक्षा के लिए अभ्यर्थी द्वारा प्रति आवेदक परीक्षा शुल्क 250 रुपए का भुगतान किया जाना है।
यह जानकारी देते हुए सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी से रैली के संयोजक कर्नल के0 संदीप ने बताया कि भर्ती वर्ष 2025-26 के लिए अग्निवीरों की भर्ती ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा (ऑनलाइन सीईई) व भर्ती रैली दो चरणों में की जाएगी।
भर्ती के लिए इच्छुक उम्मीदवार को अपना नाम वेबसाइट ६६६.नङ्कल्लत्ल्ल्ल्लं१८.ल्लू.ल्ल पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। ऑनलाइन
उन्होंने बताया कि जिन युवाओं का जन्म 1 अक्टूबर 2004 से 1 अप्रैल 2008 के बीच हुआ है और उन्होंने दसवीं या बारहवीं की कक्षा उत्तीर्ण की है तथा जो उम्मीदवार कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुए हैं और परिणामों की घोषणा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे भी आवेदन करने के पात्र हैं, बशर्ते वे अन्य सभी क्यूआर को पूरा करते हों। उन्होंने पदों की जानकारी देते हुए बताया कि अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर लिपिक व स्टोर कीपर तकनीकी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर ट्रेडसमैन दसवीं पास व अग्निवीर ट्रेडसमैन आठवीं पास के पद सभी आर्मफोर्स के लिए है। जिन उम्मीदवारों ने न्यूनतम शैक्षणिक व आयु सीमा की योग्यता पूरी कर रखी है वे इस योजना के तहत अपने आवेदन ऑनलाईन कर सकते है। आवेदन करते समय सभी उम्मीदवार अपना निजी मोबाईल नंबर की जानकारी दर्ज करके सबमिट का बटन अवश्य दबाएं। उम्मीदवार जितनी बार भी अपना ऑनलाईन फार्म खोले, उसे बंद करने से पहले वे सबमिट बटन को अवश्य दबाएं।
ऑनलाईन आवेदन करने से पहले नोटिफिकेशन को अच्छी तरह से पढ़े और योजना बारे भर्ती प्रक्रिया को अच्छी तरह से समझ ले। उन्होंने कहा कि अग्निवीर आर्मी रैली की प्रक्रिया पूरी तरह से निशुल्क है तथा उम्मीदवार को इसके लिए किसी संस्था या कोचिंग सेंटर से जुड़ने की आवश्यकता नहीं है। सेना भर्ती से पूर्व किसी भी प्रकार का कोई ट्रायल भी नहीं करवाती है। उन्होंने सभी अभ्यार्थियों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी तरह की भर्ती संबंधी अफवाह पर ध्यान न दें और भर्ती के दौरान दलालों से सावधान रहें। यदि किसी प्रार्थी को फार्म भरने में समस्या आती है तो वे आर्मी की वेबसाईट पर संपर्क कर सकते हैं तथा चरखी दादरी सेना भर्ती कार्यालय में भी निजी तौर पर संपर्क किया जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया व ऑनलाइन परीक्षा का तरीका समझने के लिए खकअ वेबसाइट पर वीडियो अवश्य देखें। उन्होंने बताया कि सभी उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र के पांच स्थान भरने अनिवार्य हैं।

आईटीआई/कौशल योग्य उम्मीदवारों के लिए बोनस अंक

10वीं प्लस दो साल का आईटीआई कोर्स वाले को 20, 10वीं प्लस 02/03 साल का डिप्लोमा वाले को 30, 12वीं प्लस एक साल का आईटीआई कोर्स वाले को 30, 12वीं प्लस दो साल का आईटीआई कोर्स वाले को 40 तथा 12वीं प्लस डिप्लोमा धारक को 50 बोनस अंक दिए जाएंगे।
एनसीसी ए और बी के लिए 5 और 10 अंक बोनस मिलेंगे तथा एनसीसी सी सर्टिफिकेट के लिए जीडी श्रेणी में 20 और बाकी श्रेणी में 15 अंक मिलेंगे। गणतंत्र दिवस भागीदारी के अतिरिक्त 5 अंक मिलेंगे।

हाईवे के लिए अधिग्रहण की गई जमीन का भुगतान न होने से गुस्साए किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

हाईवे निर्माण कार्य रुकवा कर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 12 मार्च। जमीन अधिग्रहण का भुगतान न होने से गुस्साए किसानों ने भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ग्रुप के नेतृत्व में नेशनल हाईवे 152 अंबाला हिसार पर गांव ठोल के समीप सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस अवसर किसानों ने 152 हाईवे पर चल रहे सिक्स लाइन का निर्माण कार्य भी रुकवा दिया और जम कर सरकार व प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। धरने की सूचना मिलते ही डीएसपी पिहोवा निर्मल सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया लेकिन किसान अपनी मांगो को लेकर अड़े रहे। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ग्रुप के प्रधान गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि अंबाला हिसार रोड पहले हाईवे 65 था। उसके बाद सरकार ने 2014 में जमीन अधिग्रहण कर हाईवे 152 में तब्दील कर फोर लाइन बनाने का काम शुरू किया था। उस समय सरकार कुरुक्षेत्र जिला के गांव थाना से गांव ठोल तक 11 गांवों के सैकड़ों किसानों की जमीन अधिग्रहण की थी। उस समय सरकार ने किसानों को 30 प्रतिशत पैसे दिया था। मुआवजे की बकाया 70 प्रतिशत राशि सरकार ने रोक लिए थे। जिसके चलते किसानों ने पिछले साल भी फरवरी माह में गांव ठोल में ही धरना प्रदर्शन किया था और हाईवे निर्माण कार्य रुकवा दिया था। उस समय डीसी कुरुक्षेत्र ने किसानों को आश्वासन दिया था कि उनके ब्याज सहित पैसे दिलवा दिए जाएंगे। लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने उनके फैसले को मानने से इंकार कर दिया है। जिसके चलते नाराज किसानों ने आज गांव ठोल में एक दिन का सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर हाईवे निर्माण कार्य को बंद करवाया है। इस अवसर पर किसानों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने किसानों की बकाया मुआवजे की राशि किसानों नहीं दी तो उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन व सरकार की होगी। इस मौके पर किसान नेता परविंद्र कम्बोज, कृष्ण कलाल माजरा, कर्म सिंह, विक्रम सिंह, महिंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सीएम के निर्देश पर 15 से शुरू होगी सरसों की सरकारी खरीद

डीसी डॉ विवेक भारती ने ली अधिकारियों की बैठक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
नारनौल, 12 मार्च। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार प्रदेश में 15 मार्च से सरसों की सरकारी खरीद शुरू होगी। जिला महेंद्रगढ़ में इन्हीं तैयारी को लेकर उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली।
डीसी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि रबी खरीद सीजन-2025 में सरकारी खरीद के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र के नोडल अधिकारी होंगे।
उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देश है कि फसल बेचने के 48 से 72 घंटे के अंदर-अंदर किसान के खाते में उसकी फसल की रकम डाल दी जाए। अधिकारी इस टाइमलाइन की पालना सुनिश्चित करें। डीसी ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में मेरी फसल- मेरा ब्यौरा पोर्टल पर 90436 से किसानों ने 324751 एकड़ के लिए पंजीकरण करवाया है। एक दिन में एक किसान 25 किवंटल सरसों ला सकता है। इनमें से 85936 किसानों ने 273233 एकड़ में सरसों का पंजीकरण करवाया है। इन्हीं पंजीकृत किसानों की सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। इस बार जिला महेंद्रगढ़ में कुल 1.50 लाख एमटी सरसों खरीद का लक्ष्य रखा गया है।
डीसी ने किसानों से आह्वान किया है कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह से सुखाकर और साफ करके लेकर आएं।
इस बैठक में उपायुक्त ने पर्याप्त मात्रा में बारदाना रखने के निर्देश दिए। वहीं मंडियों में शौचालय, कैंटीन तथा बिजली-पानी की उचित व्यवस्था के निर्देश दिए।
इस बैठक में एसडीएम रमित यादव, डीएसपी हरदीप सिंह, एएफएसओ अरुण सैनी, डीएम वेयर हाउस रेखा मलिक, डीएम हैफेड प्रवीण भारद्वाज के अलावा सभी मंडियों के सचिव तथा आढ़ती संगठन के प्रधान भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। पार्वती विद्यापीठ तथा इंडियन ट्रेडिशनल हेल्थ एसोसिएशन के तत्वावधान में अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद पीआरसीबी योग प्रमाण बोर्ड, आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दुखभंजन मंदिर परिसर में राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता कराई गई। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के करीब 200 सफल प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के उपाध्यक्ष तथा दत्तात्रेय आश्रम के महंत डॉ स्वामी शंकरानंद सरस्वती ने किया। मुख्य अतिथि डॉ मनीष कुकरेजा हरियाणा योग आयोग के सदस्य ने संबोधित किया। इंडियन ट्रेडिशनल हेल्थ एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा पार्वती विद्यापीठ के निदेशक प्रोफेसर डॉ नरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिताएं 6 वर्ष के बच्चों से लेकर 70 वर्ष तक के लोगों के बीच थी। अलग-अलग उम्र के ग्रुप बना कर प्रतियोगिता की गई, जिनमें पुरुष और महिलाएं शामिल थे। निर्णायक मंडल में साध्वी मोक्षिता, नंदिनी खातून, कंचन सरकार, रिंकी मंडल, तपन देवनाथ एवं ज्योतिर्मय पात्र शामिल थे। सफल प्रतिभागियों में 50-60 आयु महिला वर्ग में मोनी पटनायक प्रथम, 30-40 आयु महिला वर्ग में सुदेशना चक्रवर्ती प्रथम, 15-20 आयु पुरुष वर्ग में प्रतीक मुखर्जी, 20-30 आयु महिला वर्ग में सिंधु रानी सिंह प्रथम, 60+ आयु महिला वर्ग में सुछंद दास प्रथम, 20-30 आयु पुरुष वर्ग में पप्पू ठाकुर ने प्रथम तथा निहारिका साहा 10-15 वर्ष के आयु महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अतिरिक्त उपायुक्त बाबू लाल करवा ने किया जिला के विभिन्न नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
कैथल, 12 मार्च। अतिरिक्त उपायुक्त बाबू लाल करवा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नशा मुक्ति कमेटी द्वारा जिला के विभिन्न नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इन केंद्रों में कार्यरत स्टाफ डयूटी पर उपस्थित पाया गया तथा दवाईयों का स्टॉक पूर्ण रूप से दुरूस्त पाया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं को और अधिक बेहत्तर बनाने को लेकर नशा मुक्ति केंद्र संचालकों को आदेश दिए गए। टीम द्वारा अग्रवाल मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र चीका, अजीमगढ़ स्थित आदर्श मुक्ति केंद्र, समर्थ नशा मुक्ति केंद्र व मनो आधार नशा मुक्ति केंद्र, निर्वाण मनोरोग एवं नशा मुक्ति केंद्र चीका, दीपक नशा मुक्ति केंद्र चीका, गुरू नानक चेतना फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित काउंसलिंग कम पुनर्वास केंद्र गुहला, ब्राइट फ्यूचर जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा संचालित काउंसलिंग कम पुनर्वास केंद्र चीका का निरीक्षण किया गया। कमेटी में नोडल ऑफिसर मेंटल हैल्थ डॉ. नवराज सिंह, समाज कल्याण विभाग से धर्मबीर, सामाजिक कार्यकर्ता संजीव कुमार शामिल रहे।

खनिज के अवैध परिवहन पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी, 6.45 लाख का जुमार्ना लगाया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 12 मार्च। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में अवैध खनन तथा किसी भी प्रकार के खनिज का अवैध तरीके से परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन की संयुक्त टीम पुलिस की सहायता से लगातार कड़ी निगरानी कर रही है। पिछले दो दिनों में तीन ट्रैक्टर ट्राली अवैध तरीके से खनिज का परिवहन करते हुए पकड़े गए। इसे 6.45 लाख रुपए का जुमार्ना वसूला जाएगा।

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन गुप्त सूचना के आधार पर भी लगातार कार्रवाई कर रहा है। ग्राम पंचायत भी लगातार अपने गांव में इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें तथा जिला प्रशासन को सूचित करें।

दो दिनों में हुई कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डॉ राजेश कुमार ने बताया कि खनन विभाग, पुलिस विभाग, फॉरेस्ट विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संयुक्त टीम मंगलवार तथा बुधवार को विभिन्न स्थानों पर गस्त कर रही थी।

इस दौरान राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी ला रहे एक ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस की सहायता से पकड़ा। चालक किसी प्रकार का बिल नहीं दिखा पाया। इस पर टीम ने इसे जब्त करके 2.15 लाख रुपए की रॉयल्टी तथा पेनल्टी वसूली की कार्रवाई शुरू की।

इसी प्रकार राजस्थान बॉर्डर के साथ लगते गांव महरमपुर में चेकिंग के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्राली अवैध तरीके से बजरी का परिवहन करते हुए पकड़े गए। पुलिस तथा जिला प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद इन पर 4.30 लाख रुपए की पेनल्टी तथा रॉयल्टी वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

होली में अपनी बुराईयों की आहुति करें और अच्छे गुणों को जीवन में लाए : डा. सुरेश मिश्रा

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च। हार्मनी आकल्ट वास्तु जोन के अध्यक्ष, श्री दुर्गा देवी मन्दिर पिपली के पीठाधीश, ज्योतिष व वास्तु विशेषज्ञ डॉक्टर सुरेश मिश्रा ने बताया होली का त्यौहार इस बार शुक्रवार 14 मार्च को मनाया जाएगा। इससे पहले गुरुवार 13 मार्च को होलिका दहन है। होली की तैयारी हर घर में शुरू हो गई है। घरों के साथ-साथ बाजार भी सजने लगे हैं। होली के दिन लोग एक-दूसरे को रंग लगा कर गले मिलते हैं और पुराने गिले-शिकवों को दूर करते हैं। होलिका की पवित्र आग में लोग जौ की बाल और शरीर पर लगाए गए सरसों के उबटन को डालते हैं। ऐसी मान्यता है कि ये करने से आपके घर में खुशी और शान्ति आती है। गोबर से बनी होलिका और प्रहलाद की प्रतिमाएं, माला, रोली, फूल, कच्चा सूत, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, पांच या सात प्रकार के अनाज जैसे नए गेहूं और अन्य फसलों की बालियां, एक लोटा जल, बड़ी-फुलौरी, मीठे पकवान, मिठाइयां और फल।

होलिका दहन का शुभ मुहूर्त :

डॉ. मिश्रा ने बताया कि पंचांग दिवाकर के अनुसार 13 मार्च भद्रामुखकाल रात्रि 8:18 बजे से 10:27 बजे तक रहेगा तथा भद्रा पुच्छकाल रात्रि 7 बजे से 8:18 बजे तक रहेगा। अतः आवश्यक परिस्थितिवश भद्रामुखकाल को त्याग कर भद्रा पुच्छकाल में होलिका दहन किया जा सकता है। परन्तु शास्त्र निर्देश अनुसार भद्रा बाद रात्रि 11:31 बजे के बाद तथा निशीथ काल से पहले रात्रि 12:37 बजे तक ही होलिका दहन करना चाहिए ।

होलिका दहन पूजा-विधि :

डॉ. मिश्रा ने बताया होलिका दहन से पूर्व होली का पूजन करने का विधान है। इस समय जातक को पूजा करते वक्त पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके बैठना चाहिए। पूजन करने के लिए माला, रोली, गंध, पुष्प, कच्चा सूत, गुड़, साबुत हल्दी, मूंग, बताशे, गुलाल, नारियल, पांच प्रकार के अनाज में गेहूं की बालियां और साथ में एक लोटा जल रखना चाहिए और उसके बाद होलिका के चारों ओर परिक्रमा करनी चाहिए।

होली का पौराणिक महत्व

होलिका से जुड़ी कथा के अनुसार कहा जाता है कि होलाष्टक के दिन से भक्त प्रह्लाद को कारागार में बंद कर दिया गया था और होलिका में जलाने की तैयारी की गई थी। वहीं दूसरी कहानी के अनुसार कहा जाता है कि भगवान शिव ने होलाष्टक के दिन में कामदेव को भस्म किया था।

आज भी होली पर्व पर एक साथ होलिका दहन के आयोजन की मिसाल कायम रखे है बहल वासी

पुरूषोत्तम भोल्याण, बहल

कस्बे की परंपरा व एकता की मिसाल होली का पर्व बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा तथा शास्त्रोक्त विधि विधान से सुख, समृद्धि, संतान व सुहाग की समृद्धि व अन्न-धन के भंडारण को सूत पूजन किया जाएगा। होली का पूजन व दहन चौधरी सार्वजनिक पार्क में श्रीअलख आश्रम के सामने बृहस्पतिवार चतुर्दशी रात्रि 11.31 रात्रि पर होना निश्चित हुआ है और नागरिकों से सौहार्द पूर्वक व भगवान के अनन्य भक्त प्रहलाद की भक्ति व आदर्श के अनुरूप होलिका के परंपरागत दहन के प्रतिभागी बने। विदित रहे कि बहल में एक ही होलिका पूजन वर्तमान दौर में मिसाल कायम है। कस्बे के तीज त्योहार, पर्व व मेले विभिन्नता में एकता के परिचायक होते हैं और इस आपाधापी के दौर में तेजी बदलते परिवेश में सामाजिक व पारिवारिक ताना-बाना सौहार्द के रूप में देखा जा रहा है। करीब 25 हजार की आबादी वाले इस कस्बे में जाति धर्म क्षेत्र के लोगों के बीच एक होली पूजन व दूसरे त्यौहार सौहार्दपूर्ण मनाए जाते हैं। कस्बे के संस्थापक के रूप में ब्रह्मलीन बाबा गोविंद गिरी गोपाल गिरी व योग तपस्वी ब्रह्मलीन बाबा रति गिरी महाराज की तपोस्थली बहल नगरी आज भी एक त्यौहार व मेले मनाने और आयोजन की मिसाल कायम रखे हुए हैं। होली का त्यौहार बाबा श्रीश्याम खाटू वाले व बाबा रति गिरी महाराज के वार्षिकोत्सव फाल्गुन महोत्सव में रंग गुलाल अबीर उड़कर उनको तिलक लगाकर शुरू किया जाता है और फाग दुल्हंडी के दिन बाबा रतिगीर महाराज के आश्रम श्रीअलख कुटिया में नाच का कर बैठक कर त्योहार के संपन्न करते हैं। जिस मेलजोल और प्रेम पूर्वक होली को मनाया जाता है यह प्रदेश ही नहीं अपितु दूसरे प्रदेशों के लिए भी मिसाल है। बहल में एक होली पूजन व दहन की मिसाल सुदूर देश के कोनों में अमूमन चर्चा सुनने को मिलती है।

अवैध खनन में लिप्त दो वाहन किए जब्त

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 12 मार्च। जिला के खनन अधिकारी निरंजन लाल के अनुसार अवैध खनन/परिवहन में लिप्त दो वाहनों को जब्त किया गया है। श्री लाल के अनुसार खनन व भू विज्ञान विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग तथा उपायुक्त उत्तम सिंह के निदेर्शानुसार जिला में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ मुहिम जारी है। उन्होंने बताया कि गत दिवस एसआई राजेश व एएसआई रोशन लाल की टीम द्वारा वाहनों की चेकिंग के दौरान गांव नली पार से ट्रैक्टर-ट्राली के चालक के पास ई-रवाना बिल प्राप्त नहीं हुआ। जिसके बाद वाहन की फोटो लेकर एचएसईएनबी करनाल में जब्त कर लिया गया।

नीलोखेड़ी नगर पालिका और तरावड़ी के वार्ड नंबर 5 का उप चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

अध्यक्ष पद पर बीजेपी प्रत्याशी सनमित कौर रहीं विजयी

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 12 मार्च। नीलोखेड़ी नगर निकाय चुनाव के आरओ एवं नीलोखेड़ी के एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि बुधवार को नीलोखेड़ी नगर पालिका के चुनावों की और तरावड़ी के वार्ड नंबर 5 के उप चुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इस मौके पर विजेता प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र दिए गए। उन्होंने बताया कि नगर पालिका नीलोखेड़ी में निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद पर बीजेपी प्रत्याशी सनमित कौर ने 4983 वोट प्राप्त हुए, वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी प्रेम कुमार को 3571 वोट मिले। बीजेपी प्रत्याशी सनमित कौर ने निर्दलीय प्रत्याशी प्रेम कुमार को 1412 वोटों से हराया।

इसी प्रकार नीलोखेड़ी नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी हरविंदर कौर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी अर्जुन दास से 53 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 2 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी अंजना कुमारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी प्रिया चोपड़ा से 97 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 3 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी सुखविंद्र कंवल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी सिया मेहता से 338 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 4 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी धर्मेंद्र कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी मृदुल चोपड़ा से 37 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 5 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रणबीर सिंह भाटिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी कपिल शर्मा से 5 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 6 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी राजेश कुमार से 409 वोटों से जीत हासिल की।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 7 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी परवीन कुमारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी रंजीत सिंह से 155 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 8 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी दर्शनी देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी अंजू से 21 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 9 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रजविंद्र कौर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी नीता देवी से 181 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 10 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी अमित चावला ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी नवजोत सिंह से 336 वोटों से जीत हासिल की।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 11 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी गुरविंद्र सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी पंकज से 77 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 12 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी भूपेश जुनेजा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी पारस खुराना से 78 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 13 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी कृष्णा कुकरेजा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी मधुबाला से 48 वोटों से जीत हासिल की। वार्ड नंबर 14 से पार्षद पद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रजवंत कौर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी पूजा रानी से 3 वोटों से जीत हासिल की।

निर्दलीय प्रत्याशी कमल रहे विजयी:

नीलोखेड़ी नगर निकाय चुनाव के आरओ एवं नीलोखेड़ी के एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि तरावड़ी के वार्ड नंबर 5 के पार्षद पद के उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी कमल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय प्रत्याशी कृष्ण से 78 वोटों से जीत हासिल की।

श्री गौ कथा महाजन यज्ञ महोत्सव का आयोजन 17 को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 11 मार्च। गांव बिधनोई में दादा गोसाईं धाम पर श्री गौ कथा महाजन यज्ञ महोत्सव का आयोजन आगामी 17 मार्च को कलश यात्रा से प्रारंभ होकर 18 मार्च को कथा प्रारंभ होगी। इस कथा के वाचक आचार्य योगेंद्र महाराज होंगे तथा दादा गुरु योगी महंत छोटूनाथ महाराज आश्रम हसान व गुरु तपस्वी योगी बाबा केदारनाथ महाराज बडदू चैना धाम तथा पंच 32 धुनी, बाबा बाडीनाथ आश्रम ढाणा जोगी के महंतश्री केशव नाथ महाराज के आशीर्वाद से बाल योगी दिवाली नाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित की जाएगी। बाल योगी दिवाली नाथ ने बताया कि श्री गौ कथा महा ज्ञान यज्ञ महोत्सव समस्त बिधनोई वासियों के सहयोग व समर्पण को समर्पित आयोजन होगा।

देश में इस समय एक राष्ट्र एक चुनाव की सख्त आवश्यकता है : छाबड़ा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रादौर, 12 मार्च। उद्योग व्यापार मंडल की ओर से शहर के सफल पैलेस में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर कैप्टन एसएन शर्मा व सहसंयोजक मदन मोहन छाबड़ा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता नेपाल राणा ने की। व्यापार मंडल सह संयोजक सुशील बत्रा की देखरेख में आयोजित हुए कार्यक्रम में एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान वक्ताओं ने एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर अपने अपने विचार प्रकट किए। नेपाल राणा ने मुख्यातिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्यातिथि को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि कैप्टन एसएन शर्मा व सह संयोजक मदनमोहन छाबड़ा ने कहा कि देश में इस समय एक राष्ट्र एक चुनाव की सख्त आवश्यकता है। देश में बार-बार कही न कही हर वर्ष चुनाव होने से आचार संहिता लगने पर विकास कार्यो में बाधा आती है। वहीं बार-बार चुनाव होने से भारी धन की बबार्दी होती है। लोकसभा चुनावों पर 125 हजार करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च आता है। इसके अलावा पोस्टर, बैनर उम्मीदवारों का अन्य खर्च अलग होता है। सरकार का हर वोटर पर 114 रुपए खर्च आता है। प्रदेश में पहले लोकसभा उसके बाद विधानसभा के चुनाव हुए, अब नगर पालिका के चुनाव संपन्न हुए है। जिस कारण जनता का चुनावों से किनारा करने लगी है, जिससे पॉलिंग हर बार कम होती जा रही है। एक राष्ट्र एक चुनाव में केवल चुनाव के समय में 3 मशीने ही लगानी होती है। 1952 से लेकर 1967 तक एक राष्ट्र एक चुनाव होते रहे है। चुनाव आयोग ने भी अपनी 170वीं रिपोर्ट में एक राष्ट्र एक चुनाव का सुझाव दिया है। लोकसभा चुनावों के बाद लगभग 10 प्रतिशत महंगाई बढ़ जाती है। इस अवसर पर पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका, नेपाल राणा, मंडल अध्यक्ष कृष्ण कांबोज, मीडिया प्रभारी राजकुमार शर्मा, अमित गर्ग, अशोक गुंबर, पवन वर्मा, शालु मेहता, विनय, अनिल आहुजा, वैभव अग्रवाल, चरण सिंह पाल, कमल कंग, विनोद गर्ग, मुकेश अरोड़ा मक्की, राजीव आर्य सन्नी, विवेक गुंदल, ऋषिपाल नंबरदार, भगवत दयाल आदि मौजूद रहे।

सीवन से हेमलता, कलायत से अंकित राणा तथा पूंडरी से बबली गोस्वामी बनी नगर पालिका प्रधान

शांति पूर्ण, निष्पक्ष तथा पारदर्शी रूप से संपन्न हुआ निकाय चुनाव

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

कैथल, 12 मार्च। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने बताया कि सीवन, पूंडरी व कलायत नगर पालिका चुनाव में मतगणना का कार्य बुधवार को शांति पूर्ण, निष्पक्ष तथा पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाया गया। मतगणना प्रक्रिया के दौरान सामान्य पर्यवेक्षक वंदना दिसोदिया, पुलिस पर्यवेक्षक धारणा यादव ने पूरी निगरानी रखी। सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए गए थे।

नगर पालिका सीवन में अध्यक्ष पद के लिए सात प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें से हेमलता ने कुल 3594 वोट प्राप्त करके विजय हासिल की है, जबकि शैली मुंजाल 3331 वोट प्राप्त करते हुए द्वितीय स्थान पर रही। नगर पालिका कलायत में अध्यक्ष पद के लिए सात उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से अंकित राणा ने 5824 वोट प्राप्त करके जीत हासिल की, वहीं दूसरे स्थान पर मेनपाल राणा रहे, जिन्हें 2862 वोट प्राप्त हुए। पूंडरी नगर पालिका में प्रधान पद के लिए तीन प्रत्याशी चुनावी रण में थे, इनमें से बबली गोस्वामी ने 4827 वोट प्राप्त करके विजय हासिल की। वहीं 3498 वोट प्राप्त करके गुड्डी देवी दूसरे स्थान पर रही।

उन्होंने बताया कि पूंडरी के आरओ एवं कैथल एसडीएम अजय सिंह, कलायत के आरओ एवं एसडीएम अजय हुड्डा, सीवन के आरओ एवं गुहला एसडीएम कैप्टन प्रमेश कुमार की देखरेख में तीनों जगह अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न करवाया गया। यह मतगणना कलायत नगर पालिका के लिए नगर पालिका कार्यालय भवन में, पूंडरी नगर पालिका के लिए एंग्लो संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूंडरी में तथा सीवन नगर पालिका के लिए राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई। सभी विजयी उम्मीदवारों को रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया गया।

स्थानीय निकाय के चुनाव की मतगणना हुई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्नः जिला निर्वाचन अधिकारी

भाजपा प्रत्याशी रेनू बाला गुप्ता 25359 मतों से हुईं विजयी

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 12 मार्च। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि स्थानीय निकाय के चुनाव की मतगणना बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई है। नगर निगम करनाल में मेयर पद के लिए भाजपा प्रत्याशी रेनू बाला गुप्ता ने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी मनोज वधवा को 25359 मतों से हराया। मेयर पद के चुनाव के लिए कुल 147210 मतदाताओं ने मतदान किया था, जिसमें से रेनू बाला गुप्ता को कुल 83630 मत प्राप्त हुए जबकि मनोज वधवा को कुल 58271 मत मिले। इसी प्रकार से निर्दलीय प्रत्याशी मुकेश कुमार रघुवंशी को 2327 व निर्दलीय प्रत्याशी यश गोयल को 1461 मत प्राप्त हुए तथा नोटा को 1521 मत मिले।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगे बताया कि नगर निगम के सभी 20 वार्डों के परिणामों की श्रृंखला में वार्ड नंबर 1 से भाजपा प्रत्याशी सुदेश रानी 3037 मतों से , वार्ड नंबर 2 से भाजपा प्रत्याशी बेबी 1906 मतों से, वार्ड नंबर 3 से निर्दलीय प्रत्याशी परमजीत सिंह 2898 मतों से, वार्ड नंबर 4 से भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र नोतना 320 मतों से, वार्ड नंबर 5 से भाजपा प्रत्याशी सुभाष चंद 2328 मतों से, वार्ड नंबर 6 से निर्दलीय प्रत्याशी अंकित कुमार 222 मतों से, वार्ड नंबर 7 से भाजपा प्रत्याशी जोगिंद्र शर्मा 1262 मतों से विजयी हुए तथा वार्ड नंबर 8 से भाजपा प्रत्याशी संकल्प भंडारी निर्विरोध चुने गए।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 9 से भाजपा प्रत्याशी सुजाता अरोड़ा 3723 मतों से, वार्ड नंबर 10 से निर्दलीय उम्मीदवार आशया कुमार 320 मतों से विजयी हुए तथा वार्ड नंबर 11 से भाजपा प्रत्याशी संजीव मेहता निर्विरोध चुने गए। इसी प्रकार से वार्ड नंबर 12 से भाजपा प्रत्याशी मोनिक गर्ग 1697, वार्ड नंबर 13 से निर्दलीय उम्मीदवार ईश कुमार गुलाटी 744 मतों से, वार्ड नंबर 14 से भाजपा प्रत्याशी अमृत लाल 995 मतों से, वार्ड नंबर 15 से निर्दलीय उम्मीदवार प्रियंका देवी 1208 मतों से, वार्ड नंबर 16 से भाजपा प्रत्याशी रानी 531 मतों से, वार्ड नंबर 17 से भाजपा प्रत्याशी ममता देवी 2281 मतों से, वार्ड नंबर 18 से भाजपा प्रत्याशी हरजीत सिंह 694 मतों से, वार्ड नंबर 19 से भाजपा प्रत्याशी राजेश कुमार अग्गी 4775 मतों से तथा वार्ड नंबर 20 से भाजपा प्रत्याशी राम सुधीर 188 मतों से विजयी हुए।

रादौर नगरपालिका चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रजनीश मेहता 546 वोट से जीते

रजनीश मेहता शालु को 3659 वोट मिले उनके प्रतिद्वंदी दलीप कुमार को 3113 वोट मिले

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रादौर,12 मार्च। नगर पालिका रादौर के आम चुनाव बुधवार को शांति प्रिय ढंग से सम्पन्न हो गए।सरकारी स्कूल रादौर में मतगणना को लेकर भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया था । मीडियाकर्मी को भी मतगणना केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी । मतगणना केन्द्र के बाहर अपने- अपने उम्मीदवारों की जीत का इंतजार मे सेकेंडों लोग मतगणना केन्द्र के बाहर मौजूद रहे।नगर पालिका रादौर मे प्रधान पद को लेकर पाँच उम्मीदवारों चुनाव मैदान में थे । रादौर नगरपालिका चुनाव में भाजपा ने परचम लहराया। आखिर कार लंबे समय के बाद नगर पालिका रादौर को अपना प्रधान मिल ही गया । भाजपा नेता नेपाल राणा रादौर शहर की जनता का आभार व्यक्त किया । बुधवार सुबह हूई मतगणना के अनुसार भाजपा प्रत्याशी रजनीश मेहता शालू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दलीप कुमार को 546 वोट के अंतर से हराया। भाजपा प्रत्याशी रजनीश मेहता शालू को 3 हजार 659 वोट मिले । वंही आजाद उम्मीदवार दलीप कुमार को 3 हजार 113 वोट मिले । आजाद महेन्द्र पाल टीना को 1294 वोट, अजय राव 911 वोट , रिंकू सरदार 483 वोट व नोटा पर 67 वोट मिले । वंही पहले पार्षदों रिजल्ट घोषित किया गया। पहले राउंड मे वार्ड न.1 से लेकर 7 तक रिजल्ट घोषित किया गया । वार्ड न.1 से संदीप कुमार व वार्ड न.2 से राजीव आर्य व वार्ड न.3 से श्रीकांत व वार्ड न.4 से जसवंत सिंह व वार्ड न.5 से बबली देवी व वार्ड न.6 से भगवत दयाल व वार्ड न.7 से दलजीत कौर पार्षद का चुनाव जीते। दूसरे राउंड में वार्ड न. 8 से 14 तक रिजल्ट घोषित किया गया । वार्ड न.8 से विनीश राणा व वार्ड न.9 से रविन्द्र सैनी व वार्ड न.10 से बेअंत कौर व वार्ड न.11 से रीतू रानी व वार्ड न.12 से पूर्व बतरा व वार्ड न.13 से ऋषिपाल व वार्ड न.14 से स्मृति रानी पार्षद का चुनाव जीते । नगर पालिका रादौर से विनीश राणा , स्मृति रानी, भगवत दयाल,रविन्द्र सैनी , जसवंत सिंह दुसरी बार पार्षद चुन कर के आए है ।

होली मिलन समारोह आज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल। आगामी 13 मार्च को सुबह 10 बजे खंड बहल जांगिड़ सुथार बंधू का होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए खंड प्रधान अनिल जांगिड़ ने बताया कि मिलन समारोह बहल स्थित संजय जांगिड़ के आवास आयोजित किया जायेगा होली मिलन समारोह के माध्यम से समाजिक तौर पर युवाओं के भविष्य से जुड़े एजेंडे, शिक्षा विस्तार और सामाजिक बुराइयों से बचाव पर सुझाव प्रबुद्ध नागरिक सांझा करेंगे। खंड में तमाम समाज के लोगों व समाज सेवी लोगों को आमंत्रित गया है।

विधायक आदित्य सुरजेवाला ने हरियाणा विधानसभा सत्र में फिर उठाई आवाज

आदित्य सुरजेवाला ने विदेशों में पलायन कर रहे युवाओं, एचकेआरएन भर्ती कर्मचारी व खिलाड़ियों के अधिकारों को लेकर भाजपा सरकार पर दागे तीखे सवाल

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 12 मार्च। कैथल से कांग्रेस के विधायक आदित्य सुरजेवाला ने हरियाणा विधानसभा सत्र में विदेशों में पलायन कर रहे युवा, एचकेआरएन भर्ती कर्मचारी व खिलाड़ियों के अधिकारों को लेकर फिर से आवाज उठाई और भाजपा सरकार पर तीखे सवालो के साथ हमलावर हुए।

आदित्य सुरजेवाला ने अपने अभिभाषण में रोजगार के लिए विदेशों में गए युवाओं के हकों की आवाज उठाते हुए कहा कि आज हरियाणा प्रदेश बेरोजगारी में नंबर एक पर है। रोजगार की तलाश में युवा अपनी जमीन बेचकर 40-40 लाख रु लगाकर विदेशों की तरफ पलायन कर रहे हैं। विदेश में जाकर भी उन्हें नौकरी नहीं मिल रही, कई युवा मौत का शिकार हो रहे हैं तो कुछ युवाओं को वहां प्रताड़ित किया जा रहा है। जो युवा वहां मौत का शिकार हो जाते हैं तो परिजनों को शव वापिस भारत लाने के लिए फिर से 40 लाख रु खर्च करने पड़ रहे हैं लेकिन भाजपा सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अमेरिका से डिपोर्ट किया जा रहा है, जो वर्क वीजा के आधार पर भी गए हुए हैं उन्हें भी प्रताड़ित किया जा रहा है। अपराधियों की तरह हथकड़ियां, बेड़ियां व चेन डालकर उन्हें भेजा जा रहा है। अमृतसर से अंबाला तक भी उन्हें कैदियों वाली गाड़ी में लाया गया। लेकिन भाजपा सरकार उनकी मदद करने की बजाय उनका उपहास उड़ा रहे हैं। केंद्र सरकार में मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का बयान कि विदेश में गए सब युवा अपराधी हैं, इनसे कोई सहानुभूति न रखें, यह बयान बहुत ही शर्मनाक और घमंड से भरा हुआ है। भाजपा सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशबीन बनी बैठी हुई है, उन्हें युवाओं के भविष्य व उनकी जिंदगी से कोई सरोकार नहीं है।

एचकेआरएन में भर्ती युवाओं की आवाज उठाते हुए आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा एचकेआरएन के तहत युवाओं को छला जा रहा है, उन्हें नौकरी के नाम पर लॉलीपॉप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में कॉन्ट्रेक्ट एम्प्लॉयज कानून 2024 के तहत चर्चा तो हुई लेकिन यह नहीं बताया कि यह कानून 5 साल तक लागू ही नहीं होगा। यानि अगर कोई ल्डफ्ठ के तहत 2024 में नौकरी पर लगता है तो उसे फायदा मिलेगा 2029 के बाद यानी आगामी विधानसभा चुनाव के बाद। उन्होंने कहा कि जब से यह कानून लाया गया है उसके बाद कैथल व कुरुक्षेत्र(जो माननीय मुख्यमंत्री नायब

सैनी का भी गृह जिला है) से ही 350 एचकेआरएन कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया है। 5 साल पूरा होने से पहले उन्हें हटा दिया जाता है ताकि वो पॉलिसी के तहत पक्का ही न हो सकें। एचकेआरएन के तहत लगे कर्मचारी को कभी पक्की नौकरी नहीं मिलेगी। न उन्हें पेंशन मिलेगी। कर्मचारी की मृत्यु होने पर परिवार के सदस्य को कोई नौकरी नहीं और न ही कोई आर्थिक मदद मिलेगी, तो बताएं कैसे उनका घर चलेगा? क्या ये भाजपा सरकार द्वारा युवाओं के साथ अत्याचार व धोखा नहीं है? मैंने कांग्रेस पार्टी की ओर से विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया था कि 10 साल की नौकरी के बाद सभी ल्डफ्ठ कर्मचारियों को पक्का किया जाए लेकिन भाजपा द्वारा मेरे उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। ये सीधे तौर से भाजपा का युवा विरोधी होने का सबूत है।

खिलाड़ियों की आवाज उठाते हुए आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में खिलाड़ियों के लिए "पदक लाओ, पद पाओ" की नीति होती थी। खेल स्टेडियम, खेल संसाधन और खिलाड़ियों को किसी भी खेल संबंधित संसाधनों से वंचित नहीं रखा जाता था। लेकिन आज भाजपा सरकार में 2019 से खिलाड़ियों को खेल स्टेडियम, खेल संसाधनों से हर प्रकार से वंचित रखा जा रहा है। पिछले 5 सालों से मैदानों में खेलों का सामान नहीं भेजा जा रहा। पानीपत में न मैदान, न संसाधन।अम्बाला में ताइक्वांडो खिलाड़ी जिस किट से अभ्यास करते हैं, उसमें सेंसर तक नहीं। कुरुक्षेत्र में साइक्लिंग की सुविधाएं नहीं।झज्जर व रोहतक में साइक्लिंग एथलेटिक्स ट्रैक खराब।पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में 3 साल से खेलों का सामान नहीं खरीदा गया। हिसार में खिलाड़ियों को खेल उपकरण नहीं मिले हैं। कई खेलों के लिए हॉल नहीं है। सोनीपत के सुभाष स्टेडियम में चल रही कुश्ती एकेडमी बंद कर दी गई। फेसिलिटेशन सेंटर का निर्माण 2015 में शुरू हुआ, लेकिन अब तक अधूरा पड़ा है। कैथल के गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम में 6 फुट तक घास उगी पड़ी है, पूरा स्टेडियम जर्जर हो चुका है, लेकिन सरकार व प्रशासन की तरफ से कोई सुविधा नहीं दी जा रही। यही हाल बाकी हरियाणा का भी है।उन्होंने कहा कि हरियाणा में साल 2021 के बाद खिलाड़ियों और कोचों को ईनाम की राशि भी पूरी नहीं मिल पाई है। यही नहीं, मेडल जीतकर लाने वाले खिलाड़ी को नौकरी के लिए भी दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं और जब हमारी महिला पहलवानों के साथ धक्का और जबरदस्ती होती है, उन्हें दिल्ली की सड़कों पर पुलिस द्वारा घसीटा जाता है, उनके साथ अन्याय होता है, मेरी बहन विनेश फोगाट इसकी जीती-जागती सबूत हैं, तो यह सरकार पूरी तरह से चुप रहती है। जब विनेश फोगाट जैसी बेटियों के साथ अन्याय होता है, तो यह पूरे देश के साथ अन्याय है। पर बीजेपी के एक पूर्व सांसद को बचाने के लिए सब चीजों पर पर्दा डाल दिया जाता है।

उपाय जिनसे बालों में लाये जान

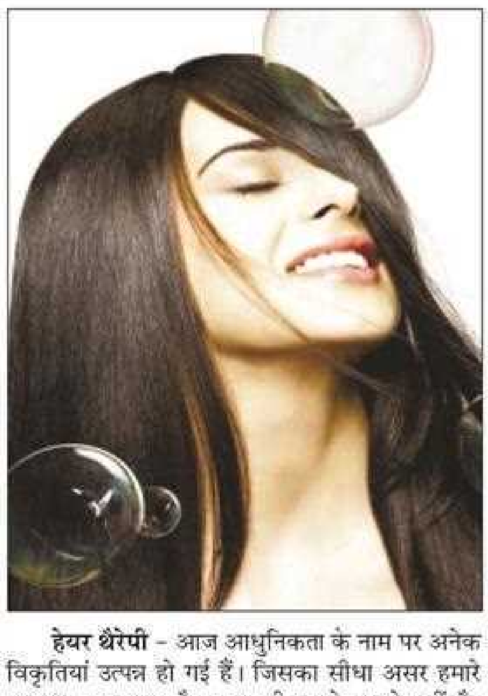

हेयर थैरेपी - आज आधुनिकता के नाम पर अनेक विकृतियां उत्पन्न हो गई हैं। जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। बाल भी इससे अछूते नहीं है। विभिन्न शोधों से यह साबित हो चुका है कि बालों का असमय सफेद होना, झड़ना आदि समस्याओं की उत्पत्ति हमारे दोषपूर्ण आहार-विहार के फलस्वरूप स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव के कारण होती है। बालों की इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए निम्न प्राकृतिक थैरेपी आजमाकर देखिए।

रिफ्लेक्सोलॉजी - मानसिक तनाव, प्रदूषण, असंतुलित हार्मोन्स, विटामिन 'बी' और 'सी' की कमी, प्रोटीन की न्यूनता, पित्त प्रकृति, अनिद्रा आदि कारणों से बाल असमय सफेद होने लगते हैं। लगातार बालों के झड़ने से अंत में सिर गंजा हो जाता है। आहार में दूध, फल, शाक, सब्जियां आदि उचित आहार लेने से बालों की इन समस्याओं से बचा जा सकता है। आवश्यक हो, तो योग्य चिकित्सक की सलाह से औषधियों द्वारा उपचार करें। दोनों हाथ के नाखूनों को आपस में पांच मिनट तक रगड़ें। प्रतिदिन रात को सोने से पहले नाक के दोनों छिद्रों में दो-दो बूंद गाय का घी डालने से बालों की जड़ें मजबूत होंगी तथा बालों का झड़ना बंद हो जाएगा।

ध्यान - ध्यान मानसिक तनाव दूर करने में मदद करता है। ध्यान साधना करने वाले कभी भी विचलित नहीं होते। इसके लिए प्रात: का समय सबसे उपयुक्त रहता है। सुखासन में शांत चित्त से बैठकर दोनों हथेली खुली आकाश की ओर करके घुटनों पर रखें। आंखें बंदकर मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें फिर आई ब्रो को पूरी ताकत से ऊपर उठायें 20 सेकण्ड बाद पूरी ताकत से नीचे लाये। प्रतिदिन 40 बार करें धीरे-धीरे अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जायें।

मालिश - बालों के लिए जितने जरूरी पोषक तत्व है उतना ही आवश्यक है तेल द्वारा मालिश। सप्ताह में कम से कम दो बार नारियल तेल, जवाकुसुम तेल या किसी आयुर्वेदिक तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मालिश करें। इससे रक्त संचार सुचारू होगा। बालों को काला, घना मजबूत और चमकीला बनाए रखने के लिए यह उपयोगी उपचार है। हमेशा स्वयं की कंघी इस्तेमाल करें। सीधी दिशा में कंघी करके विपरीत दिशा में भी कंघी करें। जाड़े में सरसों के तेल से और ग्रीष्म में तिल के तेल से मालिश करें।

योग - शीर्षासन और सर्वांगासन जैसे आसन नियमित करने से सिर के बालों को चमत्कारिक लाभ होता है। इन आसनों से रक्त संचरण की क्रिया में त्वरित गति आती है और बालों तथा सिर के स्नायुओं को पोषण मिलता है। अगर युवावस्था में उपर्युक्त दोनों आसन नियमित रूप से किए जाएं तो बालों को भरपूर पोषण और स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

बालों को मजबूत बनाने के उपाय - बालों को धीमें हाथों से मसलकर व्यायाम दें, इससे आप ऊबेंगे नहीं, बालों को थोड़ा विभाजित करते जाएं। विभाजित बालों को पकड़कर धीरे-धीरे खींचे। धीमें हाथों से सिर के बालों को ठोकिए, थपथपाइए। ऐसा करने से बाल की जड़ों के रोम छिद्र खुल जाते है। रक्त संचरण की गति तेज हो जाने से बालों की जड़ों के, समीपवर्ती सूक्ष्म अवयवों में पर्याप्त रक्त प्रवाह होता है और उनकी रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है।

गेहूं की खीर

सामग्री : 1 कप गेहूं, 1/2 कप गुड़, 1/2 लीटर दूध, 1 चम्मच घी, इलायची पाउडर और ड्राईफ्रूट।

विधि : सब से पहले गेहूं 4 घंटे पानी में भीगने दें। उस के बाद गेहूं पानी से निकाल कर कपड़े पर सुखाएं। (थोड़ा सा गीला ही रहने दें।) गेहूं मिक्सी में दरदरे पीस लें। इस से गेहूं के छिलके निकल जाएंगे। इस के बाद कड़ाही में घी डाल कर गेहूं भून लें। फिर इस में 2 कप गरम पानी डाल तक पका लें। गेहूं के पकने पर इस में गुड़ और दूध डाल कर चलाते रहें। खीर गाढ़ी होने पर आंच से उतारें और उस में ड्राईफ्रूट मिलाएं।

अधिक उम्र पर भी बचें झुर्रियों से

प्रदूषण, धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौड़भाग न जाने कितनी चीजों का सामना हमारी त्वचा को प्रतिदिन करना पड़ता है। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र के पहले ही चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। चिरयुवा बने रहने तथा सौंदर्य कायम रखने में सबसे बड़ी बाधा हैं झुर्रियों की समस्या। बढ़ती उम्र के निशान सबसे पहले चेहरे पर ही नजर आते हैं। यदि त्वचा की उचित तरीके से देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

नैसर्गिक रूप से महिलायें अपने सौंदर्य के प्रति सचेत रहती हैं, कभी-कभी असमय ही झाईयां-झुरियां होने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। आमतौर पर झुर्रियां बढ़ती उम्र की निशानी मानी जाती है लेकिन जिस तरह से हमारे खानपान व जीवनशैली में बदलाव आया है, उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगी है। झुर्रियां अक्सर शरीर के भागों में होती हैं जो अक्सर खुला, नाजुक और कोमल रहता है।

कैसे पड़ती है झुर्रियां -

झुर्रियों का प्रमुख कारण त्वचा की खुश्की है। त्वचा की प्राकृतिक चिकनाई होने लगती है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास लकीरें होने लगती है। क्रोध, चिंता, शोध, झुंझलाहट, तनाव आदि का असर त्वचा पर पड़ता है। तनावयुक्त रहने पर हमारे माथे पर सलवटें पड़ती है जिससे वहां की त्वचा में ढीलापन आकर त्वचा लटक जाती है और झुर्रियां पड़ने लगती है।

अधिक धूप आंतरिक त्वचा के लिये नुकसानदायक है। तीव्र धूप त्वचा की स्कीन को सोखकर उसे सिकोड़ देती है जो अंखों के नीचे झुर्रियों का कारण होते हैं। ठंड के प्रकोप से भी त्वचा कठोर हो जाती है और झुर्रियां नजर आने लगती है।

साबुन में मौजूद कॉस्टिक सोडा त्वचा के रहे- सहे तेल को भी सोख लेता है। जिससे कम उम्र में ही हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। कॉस्मेटिक का अधिक उपयोग भी त्वचा के लिए हानिकारक है।

कॉस्मेटिक्स त्वचा के भीतर जाकर उसके रोमछिद्रों को अवरूद्ध कर देते है। जिससे त्वचा की सही तरीके से सफाई नहीं हो पाती और धीरे-धीरे हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है।

कहां होती है झुर्रियां -

झुर्रियां अक्सर हमारे चेहरे और गर्दन पर होती है। चूँकि ये शरीर के वे भाग हैं, जो सबसे ज्यादा धूप व बाहरी वायु के सम्पर्क में होते हैं। आंखों के नीचे से शुरू होकर झुर्रियां गर्दन के आसपास भी होने लगती है।

झुर्रियों से बचाव तथा उपचार-

झुर्रियों से मुक्ति पाने का एकमात्र व सर्वश्रेष्ठ उपाय है, इससे बचाव। झुर्रियों से त्वचा को बचाने के लिए हमें अपने खानपान व जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना होगा।

- प्रोटीन तथा तैलीय तत्वों से युक्त भोजन लें, किन्तु वह गरिष्ठ न हो इसका भी ध्यान रखें। बादाम, गाजर व आंवले का सेवन अत्यंत लाभप्रद है।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।
- त्वचा को रूखा न रहने दें मलाई या माइश्चराइजर का प्रयोग करें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें।
- नियमित रूप से चेहरे की मालिश झुर्रियां रोकने में सहायक है।
- तनाव चिंता से दूर रहें दैनिक व्यवहार में सौम्य व प्रसन्न रहें।
- पानी भरपूर पिएं।

झुर्रियां समाप्त करने के नुस्खे:

- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने तथा फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- टमाटर और नीबू का रस मिलाकर शरीर पर लगाएं। नहाते समय इस लेप को रगड़कर छुड़ा दें। कुछ सप्ताह तक ऐसा करने से त्वचा कोमल हो जाती है।
- शहद में मलाई और नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर चेहरे व आंखों के नीचे लगाएं। इससे आंखों के नीचे का कालापन दूर होकर झुर्रियां समाप्त होती है।
- मूली कसकर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं, एक घण्टे बाद कुनकुने पानी से धो लें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें, रात भर पड़ा रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं । ऐसा करने से त्वचा में कसाव आता है।
- पपीते का गुदा मसलकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा साफ कर लें। कुछ दिन लगातार ऐसा करने से झुर्रियों से मुक्ति मिलती है।
- आधा चम्मच मलाई में नींबू की चार- पांच बूंदे मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर अच्छी तरह मलें। दोनों हाथों से मलाई तब तक मलते रहें जब तक कि मलाई घुलकर त्वचा में एकसार न हो जाए।
- खीरे को कद्दूकस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा कांतिमय होती है।
- त्वचा की झुर्रियां मिटाने के लिए गाजर, टमाटर और चुकंदर का रस नियमित पिएं।
- ई और ओ बोलते हुये एक बार चेहरे को फैलाएं और फिर सिकोड़ें। इससे गालों का अच्छा व्यायाम होता है। जिसमें गालों की पुष्टि होती है और झुर्रियों से बचाव।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2017

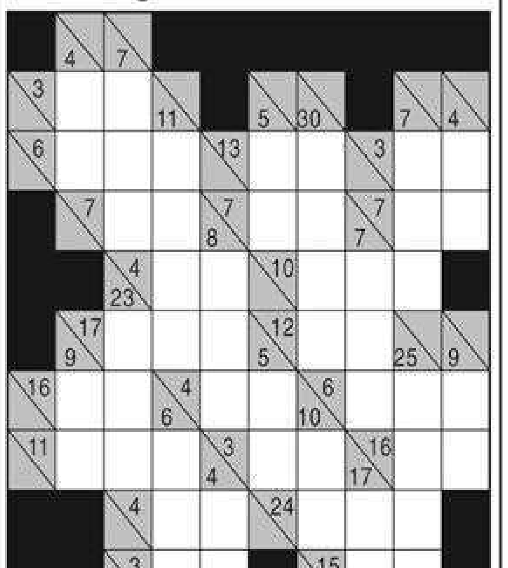

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का इस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

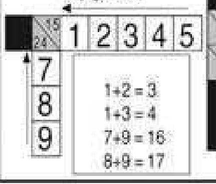

काकुरो - 2016 का हल

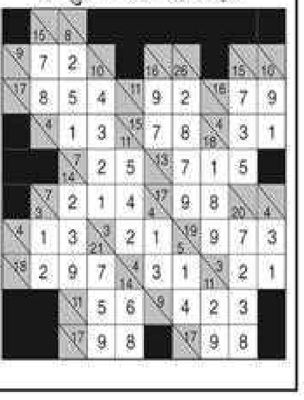

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

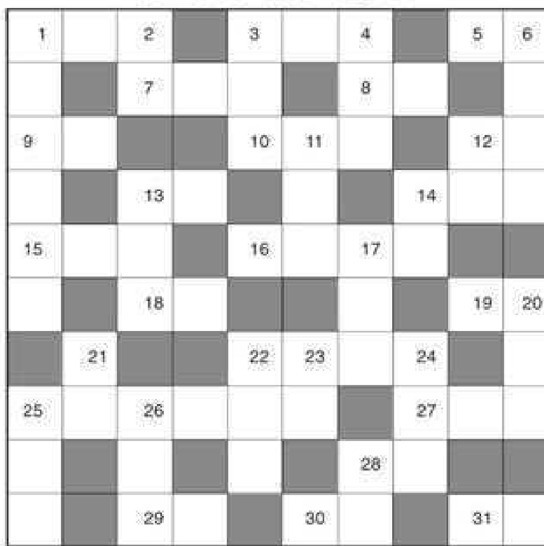

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरुद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2016

सूडोकु -2017

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2016 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2017

बाएँ से दाएँ

1. फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4. आश्चर्य, विलक्षणता-4
7. जीत, फतेह-2
8. आकाश रेखा, छोर-3
9. तल, पैंदा-2
10. थाती, धरोहर-4
11. मोटा आटा-2
13. सलाह, मशवरा-4
14. अन्य, वो, तिन-2
16. घर,गृह-3
18. धावक (अंग्रेजी-3)
19. नाम रखना-2,3
21. परामर्शदाता-5
24. सुनसान, नीरव-3
26. वन, जंगल-3
28. मिट्टी, रेत-2
29. चेतनाहीन-4
30. पराग कण-2
32. भयभीत होना-4
33. छोटी सवारी गाड़ी-2
35. फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36. द्वार,किवाड़-2
37. जनता की राय-4
38. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. मत, सलाह-2
2. करतब-4
3. वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4. अनश्वर, चिरयुवा-3
5. लीन, मग्न-2
6. जलाऊ लकड़ी-4
7. रनिवास 3,2
10. मूर्ख (उर्दू-4)
12. चांया-2
15. आनंदित होना-4
17. शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18. योद्धा-4
20. अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22. मुआवजा-4
23. चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25. राज वंश-2,3
26. काम, कार्य-4
27. मादा का विलोम-2
29. उपद्रव फैलाने वाला-4
31. दुनिया, जहान-3
34. क्रिकेट में बनते हैं-2
36. पंख, पराया-2

शब्द पहेली -2016 का हल

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोन:01252-259260, 9255149495, ईमेल: haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिका:- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।